website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 70 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 19 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

मोदी से मिले गूगल सीईओ, AI समिट पर हुई अहम चर्चा

नई दिल्ली। सुंदर पिचाई ने नई दिल्ली में नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पिचाई भारत में आयोजित ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भाग लेने आए हैं और 20 फरवरी को शिखर सम्मेलन में मुख्य भाषण देंगे।

भारत पहुंचने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि एआई इम्पैक्ट समिट के लिए भारत लौटकर खुशी हुई और हमेशा की तरह गर्मजोशी से स्वागत मिला। यह समिट नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हो रहा है, जो 16 से 20 फरवरी 2026 तक चलेगा। सम्मेलन में दुनिया भर के नीति-निर्माता, टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शिक्षाविद और इनोवेटर शामिल हो रहे हैं। इसे ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला बड़ा वैश्विक एआई सम्मेलन माना जा रहा है। इसका मकसद एआई की ताकत को "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" के विजन से जोड़ना है। समाचार एजेंसी ANI को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का आईटी सेक्टर सेवा निर्यात की रीढ़ रहा है और एआई इस क्षेत्र के लिए बड़ा मौका और चुनौती दोनों है। उन्होंने भरोसा जताया कि एआई आधारित आउटसोर्सिंग और ऑटोमेशन की नई लहर से भारत का आईटी उद्योग 2030 तक 400 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। समिट में 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 से ज्यादा मंत्री और सैकड़ों ग्लोबल एआई लीडर शामिल हो रहे हैं। साथ ही "एआई फॉर ऑल", "एआई बाय हर" और "युवाआई" जैसी ग्लोबल चुनौतियों के फाइनल भी यहां पेश किए जाएंगे।

सीएम रेखा गुप्ता को 50वें मातृश्री अवॉर्ड से किया गया सम्मानित

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को 50वें मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें समाज और जनता के प्रति उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया। अवॉर्ड समिति के

संयोजक चेतन शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनसेवा और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े विवेक शर्मा, महामायी सेवा न्यास के दीपक बजाज तथा समिति सदस्य बिट्टी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री को भारत माता की प्रतिमा और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। मातृश्री अवॉर्ड की शुरुआत वर्ष 1975 में पंजाब केसरी के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय दिनेश शर्मा ने की थी। उनका उद्देश्य समाज और पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना था। दिनेश शर्मा जी कहा करते थे, "चाहे सब कुछ भूल जाना, पर भारत माता को कभी मत भूलना।" इसी भावना के साथ भारत माता की प्रतिमा भेंट करने की परंपरा शुरू की गई, जो आज भी जारी है। इस सम्मान से पूर्व में लालकृष्ण आडवाणी, सुषमा स्वराज, अरुण जेटली, मदनलाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा, रजत शर्मा, खुशवंत सिंह और सरला माहेश्वरी सहित अनेक गणमान्य हस्तियों को मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। मातृश्री अवॉर्ड आज भी समाजसेवा, राष्ट्रभावना और पत्रकारिता के मूल्यों को सशक्त करने का प्रतीक बना हुआ है।

नॉर्थईस्ट में जंगल की आग पर काबू के लिए सेना–वायुसेना का बड़ा अभियान

नई दिल्ली । अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए युद्धस्तर पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। दुर्गम पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर

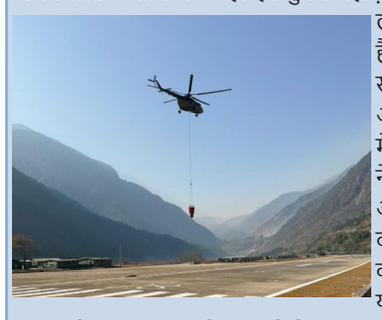

लगातार पानी गिरा रहे हैं, जबकि जमीनी दल खास उपकरणों के साथ आग को फैलने से रोकने में जुटे हैं। वायुसेना ने जानकारी दी है कि अरुणाचल प्रदेश के वालोंग क्षेत्र में आग पर काबू पा लिया गया है। यहां हेलीकॉप्टरों ने अब तक करीब 1,39,800 लीटर पानी गिराया। वहीं नागालैंड की जुकोऊ घाटी में अभी भी ऑपरेशन जारी है। एमआई-17 वी-5 हेलीकॉप्टर दीमापुर के पदुम पोखरी झील से पानी भरकर जफ्फू पीक के आसपास खड़ी ढलानों पर ड्रॉप कर रहे हैं। खराब विजिबिलिटी, तेज ढलान और पतली हवा के बावजूद मिशन लगातार चल रहा है। सेना के जवान अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में 3,000 से 3,500 फीट ऊंचाई वाले दूर-दराज इलाकों में आग बुझाने के काम में लगे हैं। हवाई कार्रवाई के साथ ग्राउंड टीमों को भी तैनात किया गया है, जो फायर लाइन बनाकर आग को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक सूखा मौसम और झूम खेती (कटाई-जलाओ परंपरा) नॉर्थईस्ट में जंगल की आग की बड़ी वजह है। पिछले कई दिनों से चौबीसों घंटे हवाई निगरानी और पानी गिराने का अभियान जारी है, ताकि आग पूरी तरह काबू में आ सके और पहाड़ी इकोसिस्टम सुरक्षित रहे।

मोदी-बेक्टेनोव वार्ता से भारत-कजाकिस्तान संबंधों को नई दिशा

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी और ओल्जास बेक्टेनोव ने बुधवार को राजनीति, व्यापार, रक्षा और सुरक्षा, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, उभरती टेक्नोलॉजी और पीपुल-टू-पीपुल संपर्क सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल होने आए बेक्टेनोव के दौरे को भारत–कजाकिस्तान रणनीतिक साझेदारी के लिए अहम माना जा रहा है।

रणनीतिक साझेदारी को गति

बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री ओल्जास बेक्टेनोव के साथ उनकी सार्थक बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि इस दौरे से भारत-कजाकिस्तान स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप और मजबूत होगी तथा व्यापार, एनर्जी, जरूरी मिनरल्स, रेयर अर्थ्स, डिफेंस, कनेक्टिविटी और स्पेस जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं।

कई क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा

दोनों नेताओं ने राजनीति, ट्रेड, रक्षा और सुरक्षा, कनेक्टिविटी, एनर्जी, उभरती टेक्नोलॉजी और पीपुल-टू-पीपुल संबंधों सहित अनेक क्षेत्रों में जारी सहयोग की प्रगति का आकलन किया और इसे नई ऊंचाई देने पर सहमति जताई।

राजनयिक स्तर पर भी संवाद

हाल ही में कजाकिस्तान के राजदूत अजमत येसकारायेव ने विदेश मंत्रालय की वरिष्ठ अधिकारी बीना जॉर्ज के साथ बैठक

की, जिसमें द्विपक्षीय सहयोग के मौजूदा मुद्दों और इंटर-मिनिस्ट्रियल समन्वय को मजबूत करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

राजनीतिक सुधारों की जानकारी

कजाक पक्ष ने भारत को अपने देश में लागू प्रमुख राजनीतिक और संस्थागत सुधारों से अवगत कराया। शक्तियों के संतुलन को मजबूत करने, प्रेसिडेंशियल अथॉरिटी को सीमित करने और उपराष्ट्रपति कार्यालय की स्थापना जैसे कदमों को सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण बताया गया।

पारदर्शिता और नागरिक हितों पर जोर

दोनों पक्षों ने पारदर्शिता, जवाबदेही और कानून के राज को सुदृढ़ करने के साथ नागरिकों के अधिकारों और जायज हितों की सुरक्षा से जुड़े कॉन्सुलर मामलों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

राजस्थान में मौसम का यू-टर्न:

जयपुर सहित कई शहरों में ओले और तेज बारिश, 13 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

जयपुर। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम ने अचानक करवट ले ली है। राजधानी जयपुर समेत कई शहरों में तेज बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई है। बदले मौसम को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग ने 13 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि भारी ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान पहुंच सकता है।

अनुमान है कि अगले दो दिन तक मौसम इसी तरह बना रह सकता है। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। बुधवार सुबह से ही प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में बादल छाए रहे और कई जगह आंधी-बारिश के हालात बने। बीकानेर में रात से ही तेज हवा के साथ झमाझम बारिश शुरू हुई। सुबह के समय चने के आकार के ओले गिरे, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। लंबे समय से सूखे जैसे हालात झेल रहे लोगों को इस बारिश से राहत मिली और कई लोग मौसम का आनंद लेते दिखे। हालांकि कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में हल्की फसल क्षति की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने जिन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, उनमें जयपुर, सीकर, झुंझुनूं, अलवर, दौसा, टोंक, अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी और कोटा प्रमुख हैं। वहीं बीकानेर, चूरू, नागौर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, भरतपुर और उदयपुर सहित कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार बारिश और ओलों के कारण प्रदेश के तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे फसलों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएं और मौसम अपडेट पर नजर रखें।

भागवत-योगी की आधे घंटे से अधिक समय तक चली मुलाकात, किन मसलों पर हुई बात?

यूपी। योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत से भेंट की। निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में हुई इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया। आधे घंटे से अधिक चली बातचीत में प्रदेश के सियासी और सामाजिक हालात पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य और सरकार के कामकाज की जानकारी भी दी। इसके साथ ही संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और आगामी योजना-रचना को लेकर भी चर्चा होने की बात सामने आई। मौजूदा हालात में इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है, क्योंकि अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। संघ प्रमुख की सक्रियता भी प्रदेश में बढ़ी हुई है। मोहन भागवत गोरखपुर से लखनऊ पहुंचे थे। यहां सद्भाव बैठक, कुटुंब सम्मेलन, युवा संवाद और प्रमुखजन संवाद के बाद देर शाम मुख्यमंत्री से उनकी मुलाकात हुई। इससे पहले दोनों की 26

नवंबर को अयोध्या में भी भेंट हुई थी, जो करीब 90 मिनट चली थी। गुरुवार को रवाना होने से पहले वे महानगर के प्रचारकों से भी मिलेंगे।

शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवसाय नहीं हो सकते, सुलभ होने चाहिए: सरसंघचालक

इससे पहले मोहन भागवत ने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित शोधार्थी संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य मूलभूत आवश्यकताएं हैं और इन्हें व्यवसाय नहीं बनाया जाना चाहिए। ये सुविधाएं सबके लिए सुलभ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिमी प्रभाव के कारण शिक्षा व्यवस्था से छेड़छाड़ हुई और पारंपरिक ढांचा बदला गया, जिसे सुधारने की जरूरत है। उनके अनुसार संघ का उद्देश्य देश को परम वैभव सम्पन्न बनाना और समाज में एकता व गुणवत्ता को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि संघ को समझने के लिए उसके कार्य को भीतर से देखना जरूरी है।

शोधार्थियों को सत्य सामने लाना चाहिए

सरसंघचालक ने कहा कि भारत की दिशा और दशा बदलने में शोध की बड़ी भूमिका है। सत्य आधारित शोध सामने आना चाहिए, तभी अज्ञानता दूर होगी। उन्होंने शोधार्थियों से आग्रह किया कि वे उत्कृष्ट और प्रामाणिक शोध निःस्वार्थ भाव से देशहित में करें। साथ ही कहा कि संघ को लेकर दुष्प्रचार भी होता है, इसलिए शोध करने वालों की जिम्मेदारी है कि वे तथ्यपरक सत्य को सामने लाएं।

राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ी, कितने रुपये का इजाफा?

जयपुर। राजस्थान सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 50 रुपये की बढ़ोतरी की है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से इस बारे में आदेश जारी कर दिए गए हैं। अब वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांगजन और लघु किसानों को मिलने वाली मासिक पेंशन 1250 रुपये से बढ़कर 1300 रुपये हो जाएगी। यह बढ़त 1 जनवरी से प्रभावी होगी और इसका लाभ फरवरी महीने से मिलना शुरू हो जाएगा। इस फैसले से प्रदेश के लगभग 91 लाख पेंशनभोगियों को सीधा फायदा मिलेगा। जारी बयान में बताया गया कि सरकार अब सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 50 रुपये बढ़ाकर देगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, वृद्धावस्था, विधवा या एकल नारी, दिव्यांगजन और लघु एवं सीमांत किसानों को दी जाने वाली मासिक पेंशन राशि 1150 रुपये से बढ़ाकर 1300 रुपये

कर दी गई है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि पेंशन की यह बढ़ी हुई राशि 1 जनवरी से लागू होगी और फरवरी महीने से मिलना शुरू हो जाएगी। इससे राज्य के 91 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। मंत्री के अनुसार, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी कानून 2023 के तहत यह पेंशन बढ़ाई गई है। इस वृद्धि से राज्य सरकार पर हर साल करीब 550 करोड़ रुपए का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। इस बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि हमारी सरकार संकल्प पत्र में किए गए वादों के अनुरूप निरंतर सूबे के लोगों के हित में कार्य कर रही है। उन्होंने दावा किया कि केवल दो वर्षों में ही 72 फीसदी वादे पूरे किए जा चुके हैं। प्रदेश में पानी की आवश्यकता को समझते हुए राज्य सरकार राम जल सेतु लिंक परियोजना, देवास परियोजना, यमुना जल समझौता, गंगनहर की मरम्मत, सोम-कमला-अम्बा सहित विभिन्न परियोजनाओं पर तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर कोटा, अजमेर और भरतपुर संभाग के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जब-जब भाजपा की सरकार रही हैए उसने जनता के बीच रहकर हमेशा विकास और जनकल्याण के कार्य किए हैं। भामाशाह और अन्नपूर्णा जैसी योजनाएं भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही लाई गई। वहीं कांग्रेस सरकार ने केवल इन योजनाओं का नाम बदलने का काम किया है।

तेजस्वी यादव शराब पीकर जाते हैं विधानसभा? नीतीश कुमार की पार्टी बोली- 'सदन में डोलते-डोलते...'

पटना। एनडीए के घटक दल के एक विधायक द्वारा शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। इसी मुद्दे पर जेडीयू नेता और विधायक विनय चौधरी ने बुधवार (18 फरवरी 2026) को विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इशारों में आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव शराब पीकर सदन में पहुंचे थे। जेडीयू विधायक विनय चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव सदन में डोलते-डोलते आए थे। जब पत्रकारों ने कहा कि उनके पैर में चोट थी, तो उन्होंने जवाब दिया कि पैर में चोट से पूरा शरीर नहीं डोलता। उन्होंने कहा, उनसे पूछिए कि वे क्यों डोल रहे थे। हम लोग तो मेडिकल जांच की बात कर रहे थे, लेकिन वे वहां से निकल गए।

'समीक्षा का मतलब बंदी समाप्त नहीं'

शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए विनय चौधरी ने कहा कि हर व्यक्ति की अपनी सोच होती है। समीक्षा का मतलब कानून खत्म करना नहीं होता। इसका अर्थ और सख्ती तथा सुधार भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि समीक्षा की मांग को गलत तरीके से पेश नहीं करना चाहिए। उन्होंने तेजस्वी यादव के उस बयान पर भी पलटवार किया, जिसमें बिहार को अचेत मुख्यमंत्री मिलने की बात कही गई थी। चौधरी ने कहा कि आज भी तेजस्वी यादव की इच्छा है कि फिर से नीतीश कुमार उनके साथ आ जाएं, इसलिए बेचैनी दिखती है। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा था कि गड़बड़ी की वजह से हटाया गया, तब जवाब क्यों नहीं दिया। दूसरी ओर कांग्रेस विधायक अभिषेक रंजन ने दावा किया कि बिहार में शराबबंदी कानून पूरी तरह फेल है और अब शराब होम डिलीवरी से लोगों तक पहुंच रही है।

रमजान से पहले तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार का बड़ा फैसला, मुस्लिम शासकीय कर्मचारियों को मिलेगी छूट

नई दिल्ली। तेलंगाना में रमजान के रोज़ों के मद्देनज़र राज्य की तेलंगाना सरकार ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने घोषणा की है कि पवित्र महीने के दौरान सभी मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों को प्रतिदिन शाम 4 बजे तक कार्यालय से जाने की अनुमति दी जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह सुविधा शिक्षकों, कॉन्ट्रैक्ट और आउटसोर्सिंग स्टाफ, बोर्ड, कॉरपोरेशन और सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत कर्मचारियों पर भी लागू होगी, ताकि वे रोज़ा खोलने और नमाज़ की तैयारी समय पर कर सकें।

रमजान के पूरे महीने लागू रहेगा सरकार का आदेश

सरकारी आदेश के अनुसार यह छूट रमजान के पूरे महीने लागू रहेगी। हालांकि यह भी स्पष्ट किया गया है कि आपातकालीन स्थिति या जरूरी प्रशासनिक कार्य होने पर संबंधित

अधिकारी कर्मचारियों को शाम 4 बजे के बाद भी रुकने के निर्देश दे सकते हैं। यानी सुविधा दी गई है, लेकिन सरकारी काम प्रभावित न हो, इसका भी ध्यान रखा गया है। राज्य सरकार हर वर्ष रमजान से पहले इस प्रकार का आदेश जारी करती रही है। जानकारी के अनुसार राज्य गठन के बाद से यह परंपरा लगातार जारी है और संयुक्त आंध्र प्रदेश के दौर में भी 1980 के दशक से रोज़ा रखने वाले मुस्लिम कर्मचारियों को आंशिक समय छूट मिलती रही है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि यह कदम धार्मिक आस्था के सम्मान और कार्य–जीवन संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया जाता है।

शिक्षकों और फील्ड स्टाफ के लिए बड़ी राहत

इस फैसले से हजारों मुस्लिम कर्मचारी लाभान्वित होंगे, खासकर वे जो दूरदराज़ इलाकों से कार्यालय आते हैं और इफ्तार के समय तक घर पहुंचने में कठिनाई महसूस करते हैं। शिक्षकों और फील्ड स्टाफ के लिए भी इसे बड़ी राहत माना जा रहा है, क्योंकि रोज़े के दौरान लंबे समय तक कार्य करना शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। रमजान इस्लामी कैलेंडर का पवित्र महीना है, जिसमें मुस्लिम समुदाय सूर्योदय से सूर्यास्त तक रोज़ा रखता है। राज्य सरकार का यह निर्णय सामाजिक सौहार्द और धार्मिक स्वतंत्रता के सम्मान का संकेत माना जा रहा है। आदेश लागू होने के साथ ही सभी विभागों को व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश भी दे दिए गए हैं।

दिल्ली-NCR में वायु गुणवत्ता में सुधार, ग्रैप-2 के प्रतिबंध हटाए गए

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर की हवा में सुधार दर्ज होने के बाद ग्रैप-2 के तहत लागू पाबंदियां हटा दी गई हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) ने बुधवार को चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (GRAP) के दूसरे चरण के प्रतिबंध वापस लेने का आदेश जारी किया। अधिकारियों के अनुसार हालिया बारिश और अनुकूल मौसम परिस्थितियों से प्रदूषण स्तर घटा है। शाम चार बजे एक्यूआई 214 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में है, लेकिन पहले से बेहतर स्थिति दर्शाता है। पूर्वानुमान के मुताबिक

अगले कुछ दिनों में एक्यूआई 'मध्यम' या 'खराब' श्रेणी में रह सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना जताई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार 201–300 के बीच एक्यूआई 'खराब' माना जाता है। एजेंसियां हालात पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

युवा एआई को नए रूप में अपनाकर दक्षता निखारें

तेजी से बदलती दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब कोई भविष्य की कल्पना नहीं, बल्कि वर्तमान की ठोस वास्तविकता बन चुकी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, मीडिया और प्रशासन हर क्षेत्र में एआई की पैठ बढ़ रही है। ऐसे समय में युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि एआई आएगा या नहीं, बल्कि यह है कि वे इसे किस रूप में अपनाते हैं। यदि युवा एआई को केवल आसान कामों का सहारा मानेंगे, तो उनकी मूल दक्षताएं कमजोर पड़ सकती हैं, लेकिन यदि वे इसे अपनी क्षमता बढ़ाने का उपकरण बनाएंगे, तो यही तकनीक उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। है। राजधानी नई दिल्ली में आयोजित पांच दिवसीय 'एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इस बदलते परिदृश्य का प्रतीक है। समिट का मुख्य आयोजन भारत मंडपम में हो रहा है, जहां 70,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में 'एआई इम्पैक्ट एक्सपो' लगाया गया है। 300 से अधिक कंपनियां यहां अपने नवाचारों का प्रदर्शन कर रही हैं। लाइव डेमो के माध्यम से यह दिखाया जा रहा है कि एआई किस तरह रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर सकता है। यह केवल तकनीकी प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भविष्य की झलक है। इस समिट में वैश्विक स्तर की बड़ी हस्तियों की मौजूदगी भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भागीदारी इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय महत्व देती है। वहीं, तकनीकी जगत की चर्चित हस्तियां सैम ऑल्टमैन, सुंदर पिचाई, एलेक्जेंडर वांग, डारियो आमोदेई और क्रिस्टियानो आमोन इस बात का संकेत हैं कि एआई अब वैश्विक सहयोग और प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुका है। भारत से भी उद्योग जगत के दिग्गज जैसे मुकेश अंबानी, एन. चंद्रशेखरन और सलील पारेख की उपस्थिति यह दर्शाती है कि भारतीय उद्योग एआई को भविष्य की रणनीति का अहम हिस्सा मान रहा है। समिट का मुख्य लक्ष्य कृषि, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में एआई के प्रभाव को बढ़ाना है। यदि एआई का सही उपयोग हो तो किसान फसल की बेहतर योजना बना सकते हैं, डॉक्टर सटीक निदान कर सकते हैं और छात्र व्यक्तिगत सीखने के अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। यह तकनीक केवल उत्पादकता नहीं बढ़ाती, बल्कि अवसरों के नए द्वार भी खोलती है। आसान कार्यों के लिए यदि हर बार एआई का सहारा लिया जाएगा, तो बुनियादी कौशल कमजोर पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि युवा एआई को प्रतिस्थापन नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखें। तकनीकी दक्षता, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और नैतिक समझ ये चार स्तंभ ही युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करेंगे। भारत पहले ही डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर चुका है। अब एआई के क्षेत्र में भी वह वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। डांसिंग रोबोट जैसे आकर्षक प्रदर्शन भले ही मनोरंजन का माध्यम लगें, पर इनके पीछे छिपी तकनीक यह संकेत देती है कि एआई आधारित रोबोट आने वाले समय में हमारे घरों, दफ्तरों और उद्योगों का हिस्सा बन सकते हैं। ऐसे में युवाओं के लिए यह समय तैयारी का है, नई कनीकों को समझने और उन्हें रचनात्मक रूप से अपनाने का है। आज की युवा पीढ़ी के सामने विकल्प साफ है या तो वे एआई के बदलावों से डरकर पीछे रह जाएं, या फिर उसे अपना साथी बनाकर आगे बढ़ें। एआई का दौर आ चुका है, अब तय युवाओं को करना है कि वे इसके दर्शक बनेंगे या निर्माता।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

छत्रपति शिवाजी की अमर विरासत और आधुनिक भारत की दिशा

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व का जन्मदिन नहीं है, बल्कि यह भारत की आत्मा, स्वाभिमान, सुशासन और जनकल्याणकारी राज्य की परंपरा का स्मरण दिवस है। शिवाजी का जीवन इस बात का उदाहरण है कि सीमित संसाधनों, कठिन परिस्थितियों और शक्तिशाली विरोधियों के बीच भी दूरदृष्टि, संगठन क्षमता और लोक-आधारित नेतृत्व से एक मजबूत और न्यायपूर्ण व्यवस्था खड़ी की जा सकती है। आज के आधुनिक भारत में, जब शासन, सुरक्षा, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा हो रही है, तब शिवाजी की विरासत और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है।

शिवाजी का उदय ऐसे समय में हुआ जब आम जनता पर अत्याचार, असुरक्षा और अस्थिरता का वातावरण था। स्थानीय समाज बिखरा हुआ था और शासन जनता से दूर दिखाई देता था। उन्होंने सबसे पहले लोगों के मन से भय निकालने का काम किया। उनका सबसे बड़ा योगदान केवल एक राज्य की स्थापना नहीं, बल्कि "जन-आधारित राज्य" की अवधारणा को मजबूत करना था। उन्होंने दिखाया कि सत्ता का केंद्र महल नहीं, बल्कि जनता का विश्वास होना चाहिए। यही सोच आधुनिक लोकतांत्रिक भारत की मूल भावना से मेल खाती है।

शिवाजी की प्रशासनिक व्यवस्था अत्यंत संगठित और जवाबदेह थी। उन्होंने शासन को व्यक्ति-निर्भर नहीं, बल्कि व्यवस्था-निर्भर बनाया। मंत्रिमंडल प्रणाली, विभागों का स्पष्ट बंटवारा, राजस्व व्यवस्था की निगरानी, किलों का प्रबंधन, सेना का अनुशासन—ये सब दर्शाते हैं कि वे केवल योद्धा नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक भी थे। आज जब सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की बात होती है, तब शिवाजी का मॉडल अध्ययन योग्य दिखाई देता है। उन्होंने कर व्यवस्था को अपेक्षाकृत न्यायसंगत बनाया और किसानों के हितों की रक्षा पर विशेष ध्यान दिया। लूट और जबरन वसूली के बजाय नियमित और नियंत्रित राजस्व पर जोर दिया गया।

आधुनिक भारत आत्मनिर्भरता और स्थानीय क्षमता के विकास की बात करता है। शिवाजी ने भी स्थानीय संसाधनों, स्थानीय युवाओं और स्थानीय भूगोल को अपनी शक्ति बनाया। उन्होंने अपनी सेना में स्थानीय लोगों को संगठित किया, उन्हें प्रशिक्षित किया और नेतृत्व के अवसर दिए। इससे समाज में भागीदारी और जिम्मेदारी की भावना पैदा हुई। आज के समय में "स्थानीय से राष्ट्रीय" और "नीचे से ऊपर" विकास की जो सोच है, उसकी झलक शिवाजी के राज्य निर्माण में साफ दिखाई देती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक दृष्टि के मामले में भी शिवाजी का योगदान असाधारण है। उन्होंने पारंपरिक युद्ध पद्धतियों से अलग रणनीति अपनाई। तेज़ी, लचीलापन, भूगोल की समझ और सूचना तंत्र—इन सबका उपयोग करके उन्होंने बड़ी सेनाओं को भी चुनौती दी। किलों का जाल, समुद्री सुरक्षा, तट रक्षा और नौसैनिक शक्ति पर उनका ध्यान बताता है कि वे दूरदर्शी रणनीतिकार थे। आज जब भारत समुद्री सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने पर काम कर रहा है, तब शिवाजी की सोच प्रेरणा देती है कि सुरक्षा केवल हथियारों से नहीं, बल्कि रणनीति, तैयारी और स्थानीय सहयोग से मजबूत होती है।

शिवाजी की विरासत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक नीति और आचरण से जुड़ा है। उनके बारे में अनेक ऐतिहासिक उल्लेख मिलते हैं कि उन्होंने महिलाओं के सम्मान, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और आम नागरिकों के संरक्षण को प्राथमिकता दी। युद्ध के समय भी नागरिकों और स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार न करने के सख्त निर्देश थे। यह उस दौर में एक बड़ी बात थी। आधुनिक भारत, जो संवैधानिक मूल्यों—समानता, गरिमा और अधिकार—पर आधारित है, उसके लिए यह दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है। शक्ति और मर्यादा का संतुलन ही स्थायी सम्मान दिलाता है—यह संदेश उनके जीवन से मिलता है।

धार्मिक नीति के संदर्भ में शिवाजी को अक्सर एक सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक के रूप में देखा जाता है, लेकिन साथ ही यह भी तथ्य सामने आता है कि उनकी नीति व्यावहारिक और प्रशासनिक थी। उनके दरबार और सेना में विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग थे। उनका संघर्ष राजनीतिक और सामरिक था, न कि आम जनता के धार्मिक जीवन के खिलाफ। आधुनिक भारत की बहुलतावादी संरचना—जहां विविध पहचानें साथ रहती हैं—उसके लिए यह समझ जरूरी है कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सामाजिक सहअस्तित्व साथ-साथ चल सकते हैं।

युवा शक्ति के संदर्भ में शिवाजी का जीवन विशेष प्रेरणा देता है। उन्होंने कम उम्र में नेतृत्व संभाला, जोखिम उठाए, निर्णय लिए और असफलताओं से सीखा। आज के युवाओं के सामने भी चुनौतियां हैं—रोज़गार, कौशल, नवाचार, सामाजिक तनाव और वैश्विक प्रतिस्पर्धा। शिवाजी का उदाहरण बताता है कि नेतृत्व उम्र से नहीं, दृष्टि और साहस से आता है। यदि युवा संगठित हों, प्रशिक्षित हों और उद्देश्य स्पष्ट हो, तो बड़े परिवर्तन संभव हैं।

महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में भी उनकी सोच उल्लेखनीय मानी जाती है। उनकी माता जीजाबाई का उनके व्यक्तित्व निर्माण में गहरा योगदान था। इससे यह स्पष्ट होता है कि परिवार और समाज में महिलाओं की भूमिका नेतृत्व निर्माण में कितनी महत्वपूर्ण होती है। आधुनिक भारत में जब महिला शिक्षा, नेतृत्व और भागीदारी पर जोर है, तब यह ऐतिहासिक उदाहरण और मजबूत आधार देता है कि सशक्त समाज की जड़ सशक्त नारी होती है।

आर्थिक दृष्टि से भी शिवाजी ने व्यापार और उत्पादन को महत्व दिया। तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा, बंदरगाहों का विकास और व्यापारिक मार्गों की रक्षा उनके एजेंडा में शामिल थी। उन्होंने समझ लिया था कि मजबूत अर्थव्यवस्था के बिना मजबूत राज्य संभव नहीं। आज का भारत भी विनिर्माण, व्यापार, लॉजिस्टिक्स और समुद्री अर्थव्यवस्था पर ध्यान दे रहा है। इतिहास से यह शिक्षा मिलती है कि सुरक्षा और समृद्धि एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं।

आधुनिक भारत की दिशा केवल तकनीकी प्रगति से तय नहीं होगी, बल्कि नैतिक नेतृत्व, सामाजिक विश्वास और संस्थागत मजबूती से भी तय होगी। शिवाजी की विरासत में ये तीनों तत्व मिलते हैं। उन्होंने व्यक्तिगत वीरता को संस्थागत शक्ति में बदला। किलों, प्रशासनिक ढांचे, राजस्व तंत्र और सैन्य संगठन—ये सब स्थायी संरचनाएं थीं। आज भी हमें व्यक्तियों से आगे बढ़कर मजबूत संस्थाएं खड़ी करने की जरूरत है।

शिवाजी जयंती का महत्व केवल समारोह, जुलूस या भाषण तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह आत्ममंथन का अवसर भी होना चाहिए—क्या हम शासन को अधिक जवाबदेह बना पा रहे हैं? क्या हम समाज में सम्मान और सुरक्षा का वातावरण बना पा रहे हैं? क्या युवा ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिल रही है? क्या हम स्थानीय क्षमता को पहचान रहे हैं? यदि इन सवालों पर गंभीरता से काम हो, तभी जयंती का वास्तविक अर्थ पूरा होगा।

इतिहास को केवल गौरव गान या विवाद का विषय बनाने के बजाय उसे नीति और प्रेरणा का स्रोत बनाना अधिक उपयोगी है। शिवाजी का जीवन बताता है कि साहस के साथ संयम, शक्ति के साथ नीति और पहचान के साथ समावेश जरूरी है। यही संतुलन आधुनिक भारत की भी जरूरत है।

अंततः, शिवाजी की अमर विरासत हमें यह संदेश देती है कि राष्ट्र निर्माण केवल तलवार से नहीं, बल्कि चरित्र, संगठन, न्याय और जनविश्वास से होता है। यदि आधुनिक भारत इन मूल्यों को अपने शासन, शिक्षा, सुरक्षा और सामाजिक जीवन में उतार सके, तो विकास की दिशा अधिक मजबूत और स्थायी होगी। उनकी जयंती हमें अतीत की याद के साथ भविष्य की जिम्मेदारी भी सौंपती है।

गाँव तक क्यों नहीं पहुंचती है बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था?

-मोना खलझूनिया

हमारे ग्रामीण क्षेत्रों को वैसे तो कई बुनियादी आवश्यकताओं की जरूरत है। लेकिन सबसे अधिक जिस मुद्दे पर ध्यान देने की आवश्यकता है, वह है स्वास्थ्य का मुद्दा। जो आज भी इससे वंचित रह जाता है। ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी की रिपोर्ट के अनुसार देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, लेकिन डॉक्टरों का बड़ा हिस्सा शहरों तक ही केंद्रित होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की भारी कमी है। डॉक्टरों, नर्सों और लैब-टेक्नीशियनों के हजारों पद खाली पड़े हैं। कई जगह अस्पताल भवन बने हुए हैं, पर नियमित डॉक्टर नहीं हैं, उपकरण अधूरे हैं और रात की आपात सेवा लगभग नहीं के बराबर है। इसका सीधा असर उन लोगों पर पड़ता है जिनके पास निजी अस्पताल या शहर तक पहुँचने के साधन नहीं होते हैं।

मैदानी क्षेत्रों की अपेक्षा पहाड़ी राज्यों के दूर दराज गांवों की स्थिति इससे भी अधिक कठिन है, क्योंकि यहाँ अस्पताल तक पहुँचना ही अपने-आप में एक चुनौती है। उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश गांवों से नजदीकी बड़े अस्पताल की दूरी कम से कम 20 से 50 किमी तक होना आम बात है। जहां पहुँचने के लिए न केवल जर्जर सड़क बल्कि मौसम और अक्सर परिवहन की कमी के कारण समय पर इलाज मिल पाना मुश्किल हो जाता है।

वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए लगभग 95 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया, जिसमें आयुष्मान भारत, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ और अस्पताल ढांचे को मजबूत करने की बात कही गई। राज्य स्तर पर भी स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की घोषणाएँ होती रहती हैं, पर पहाड़ के छोटे गांवों तक इनका असर बहुत धीमी गति से पहुंचता है। इसका एक उदाहरण उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित गरुड़ ब्लॉक का जखेड़ा गाँव है। जहां संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुविधाओं के अभाव में चल रहा है। यह अस्पताल केवल जखेड़ा गांव ही नहीं बल्कि आसपास के कई गांव जैसे गनीगांव, सैलानी, और लमचूला के लोगों का भी सहारा है।

जखेड़ा की आबादी लगभग 1500, गनीगांव की 1600, सैलानी की 1200 और लमचूला की लगभग 1500 है. यानी करीब 5,800 लोग इस एक प्राथमिक अस्पताल पर निर्भर हैं। इतनी आबादी होने के बावजूद अस्पताल में मूलभूत सुविधाओं का अभाव यहां के निवासियों के जीवन को खतरे में डालता हैं। इस संबंध में जखेड़ा गांव के 55 वर्षीय रघुवीर सिंह परिहार बताते हैं, "अस्पताल तो और भी हैं, लेकिन जरूरत पूरी नहीं होती। डॉक्टर भी केवल एक

है, साथ में एक वार्ड बॉय और फार्मासिस्ट हैं। एक आयुर्वेदिक अस्पताल करीब 30 साल पहले (1991-92) बना था, लेकिन सुविधा कोई खास नहीं है।"

आशा कार्यकर्ता कांता परिहार कहती हैं, "यहाँ सिर्फ बुखार या जुकाम जैसी मामूली बीमारियों से जुड़ी दवाइयाँ ही मिलती हैं और सामान्य जाँच तक ही इलाज सीमित है।" वह बताती हैं कि अस्पताल में स्टाफ सुबह 10 बजे आते हैं और दोपहर 2 बजे तक चले जाते हैं। ऐसे में रात में जरूरत पड़ने पर ग्रामीणों को बहुत परेशानी होती है। एंबुलेंस तक समय पर नहीं पहुंच पाती है। मरीज को निजी परिवहन की व्यवस्था कर 33 किमी दूर गरुड़ या बैजनाथ के सदर अस्पताल ले जाना पड़ता है पहुँचते-पहुँचते कई बार मरीज की हालत गंभीर हो जाती है।"

स्वास्थ्य सेवा का एक पहलू ऐसा भी है जिसके बारे में अक्सर कोई नहीं बोलता है। सैलानी की 20 वर्षीय प्रीति बताती है, "माहवारी के दौरान पेट दर्द जैसी समस्या होने पर अस्पताल में खुलकर बात नहीं कर पाती, क्योंकि डॉक्टर पुरुष हैं। अगर महिला डॉक्टर होती तो हम खुलकर अपनी बात कह पाते।" स्थानीय पोस्ट ऑफिस कर्मचारी उम्मेद सिंह कहते हैं, "यहाँ की जनसंख्या के हिसाब से अस्पताल तो है, लेकिन सुविधाएँ नहीं हैं। एएनएम का पद है, पर वे अक्सर मौजूद नहीं रहतीं और रात में डॉक्टर भी नहीं होते हैं।" 66 वर्षीय गोविंद परिहार की चिंता दवाइयों को लेकर है, कहते हैं कि "दवाइयाँ कम हैं और कई बार पुरानी हो जाती हैं। प्राथमिक उपचार भी पूरा नहीं मिल पाता। गंभीर मरीज को तुरंत रेफर कर दिया जाता है, लेकिन यह निश्चित नहीं होता कि वह रास्ते में बच पाएगा या नहीं।"

लमचूला की रहने वाली माया कहती है, "अगर अस्पताल में सुविधाएं होती तो हमें दूर नहीं जाना पड़ता। खासकर महिलाओं के लिए महिला डॉक्टर होती तो बात करना आसान होता और जीवन थोड़ा आसान लगने लगता।" गनीगांव के 33 वर्षीय धीरज बिष्ट बच्चों और गर्भवती महिलाओं की कठिनाई बताते हुए कहते हैं, "यहाँ मेडिकल स्टोर भी नहीं है और अस्पताल में जरूरी दवाइयां नहीं मिलती हैं, यहां तक कि एंबुलेंस जैसी जरूरी सुविधा की व्यवस्था तक नहीं है। रात में स्टाफ की जरूरत है, जो नहीं है। कई बार बच्चों को गंभीर बीमारी में अस्पताल पहुँचाने तक जान चली जाती है। गर्भवती महिलाओं को एंबुलेंस आने तक दर्द सहना पड़ता है। अगर यही सुविधा गांव में होती तो हमारी बहू-बेटियों, बच्चों और बुजुर्गों को इतनी परेशानी नहीं होती।" 60 वर्षीय माधव सिंह कहते हैं, "भवन है, सामग्री है, लेकिन सुविधा नहीं है। कई बार अधिकारियों से बात की, पर सुधार नहीं हुआ।"

दरअसल, स्वास्थ्य सुविधा केवल एक सेवा नहीं, बल्कि लोगों की ज़िंदगी से जुड़ा विषय है। जब कोई गर्भवती महिला रात में दर्द सहते हुए वाहन का इंतजार करती है, जब कोई युवती अपनी तकलीफ बताने में संकोच करती है, या जब बुजुर्ग को दवा के बजाय रेफर-स्लिप मिलती है, तब समस्या सिर्फ अस्पताल की नहीं रहती बल्कि हाशिये पर रहने वाले लोगों तक सुविधा नहीं पहुंचाने की कमी को दर्शाता है।

सरकारी बजट, योजनाएं और घोषणाएं तभी सार्थक होंगी जब अस्पताल केवल दीवारों का ढाँचा न रह जाए, बल्कि वहां डॉक्टर हों, दवा हो, रात की सेवा हो और मरीज को यह भरोसा हो कि संकट की घड़ी में उसे इलाज के लिए अपने गांव से बाहर जाना नहीं पड़ेगा। पहाड़ के इन गांवों की मांग बहुत बड़ी नहीं है बस इतना है कि बीमार पड़ने पर उन्हें इलाज की सभी सुविधाएं जल्द उपलब्ध हो जाएं।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

शिक्षण संस्थानों में जातीय नफरत की बढ़ती खाई

आज पूरी दुनिया धर्म, जाति, नस्ल और लैंगिक भेदभाव के खिलाफ आवाज बुलंद कर रही है। समावेशी समाज, बराबरी का अधिकार और सामाजिक न्याय जैसे शब्द वैश्विक विमर्श के केंद्र में हैं। लेकिन विडंबना यह है कि भारत जैसे विविधता वाले देश में शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले संस्थान भी जातीय तनाव और सामाजिक विभाजन की चपेट में आते दिखाई दे रहे हैं। उच्च शिक्षा परिसरों में बढ़ती कटुता, नारेबाज़ी, गुटबाज़ी और टकराव एक गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। यह सिर्फ कैंपस की शांति का सवाल नहीं, बल्कि देश के भविष्य, शोध संस्कृति और सामाजिक सौहार्द का भी मसला है। भारत "विकसित भारत–2047" का सपना देख रहा है। इस ख्वाब की बुनियाद मजबूत शिक्षा व्यवस्था, रिसर्च, इनोवेशन और सामाजिक एकता पर टिकी है। लेकिन जब विश्वविद्यालयों में ही जाति आधारित वैमनस्यता गहराने लगे, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं?

शिक्षा का मकसद: ज्ञान या पहचान की लड़ाई?

उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल उद्देश्य ज्ञान का सृजन, वैज्ञानिक सोच, तार्किक बहस और सामाजिक सुधार होता है। विश्वविद्यालय वह जगह माने जाते हैं जहां अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए छात्र एक साझा मंच पर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। यहां से निकलने वाले युवा देश की नीतियों, उद्योग, विज्ञान, समाज और संस्कृति को दिशा देते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में कई परिसरों में पहचान की राजनीति—जाति, वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा—मुख्य विमर्श बनती जा रही है। बहस अकादमिक मुद्दों से हटकर जातीय प्रतिनिधित्व, ऐतिहासिक अन्याय, आरक्षण, अवसर और वर्चस्व की लड़ाई तक सिमट जाती है। यह बहस जरूरी भी है, मगर जब यह नफरत, अपमानजनक नारों और टकराव में बदल जाए, तब शिक्षा का माहौल दूषित हो जाता है।

इक्विटी नियमों पर विवाद और बढ़ता तनाव

हाल में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लाए गए "इक्विटी रेगुलेशंस 2026" को लेकर देशभर के विश्वविद्यालयों में तीखी बहस और विरोध-समर्थन देखने को मिला। इन नियमों का उद्देश्य कैंपस में समान अवसर, भेदभाव विरोधी तंत्र और शिकायत निवारण को मजबूत करना बताया गया। लेकिन नियमों की व्याख्या, लागू करने के तरीके और संभावित दुरुपयोग को लेकर अलग-अलग वर्गों में शंकाएं पैदा हुईं। कुछ संगठनों ने इन्हें सामाजिक न्याय की दिशा में कदम बताया, तो कुछ ने इन्हें पक्षपातपूर्ण या अस्पष्ट कहकर विरोध किया। परिणामस्वरूप कई परिसरों में प्रदर्शन, धरना और रैलियां हुईं।

मामला जब अदालत तक पहुंचा तो सुप्रीम कोर्ट ने नए प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाते हुए अगली सुनवाई की तारीख तय की। अदालत की रोक के बावजूद कैंपस में जारी प्रदर्शनों ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या शैक्षणिक परिसरों को दबाव की राजनीति का मैदान बनाया जाना चाहिए?

राजनीति और वोटबैंक की छाया

कैंपस की राजनीति कोई नई बात नहीं है। छात्र आंदोलनों ने देश को कई बड़े नेता दिए हैं। लेकिन जब छात्र राजनीति पर बाहरी सियासी दलों और जातीय संगठनों का असर ज्यादा बढ़ जाता है, तब अकादमिक माहौल प्रभावित होता है। कई मामलों में देखा गया है कि राष्ट्रीय राजनीति के मुद्दे सीधे विश्वविद्यालयों में ट्रांसफर हो जाते हैं। छात्र संगठन अपने वैचारिक या जातीय आधार पर लामबंदी करते हैं। इससे संवाद की जगह टकराव और बहस की जगह नारेबाज़ी हावी हो जाती है। जातीय पहचान पर आधारित लामबंदी का खतरा यह है कि छात्र खुद को पहले किसी जाति या समूह का प्रतिनिधि समझने लगते हैं, और बाद में विद्यार्थी। इससे "हम बनाम वे" की मानसिकता मजबूत होती है। यही मानसिकता धीरे-धीरे नफरत की खाई को चौड़ा करती है।

प्रमुख विश्वविद्यालयों में बढ़ती खींचतान

राजधानी दिल्ली के प्रमुख संस्थान जैसे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय कई बार वैचारिक और सामाजिक आंदोलनों का केंद्र रहे हैं। हाल के विवादों में भी इन परिसरों में अलग-अलग छात्र संगठनों के बीच तीखी नोकझोंक, विरोध प्रदर्शन और झड़पों की खबरें सामने आईं। इसी तरह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, लखनऊ, इलाहाबाद और गोरखपुर जैसे विश्वविद्यालयों में भी इक्विटी नियमों और सामाजिक प्रतिनिधित्व के मुद्दों पर प्रदर्शन हुए। कुछ जगह आपत्तिजनक नारे लिखे जाने और सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट फैलने की बातें भी सामने आईं। यह स्थिति बताती है कि समस्या किसी एक कैंपस तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक बहस का रूप ले चुकी है।

छात्र संगठनों की भूमिका

विभिन्न विचारधाराओं से जुड़े छात्र संगठन इस पूरे घटनाक्रम में सक्रिय हैं। वामपंथी विचारधारा से जुड़े संगठन जैसे ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया इक्विटी और प्रतिनिधित्व के सवाल को प्रमुखता से उठा रहे हैं। वहीं दक्षिणपंथी विचारधारा से जुड़ा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कई प्रावधानों और नारों का विरोध कर रहा है। समस्या तब गहरी हो जाती है जब संगठन मुद्दों पर बहस करने के बजाय एक-दूसरे को दुश्मन की तरह पेश करने लगते हैं। इससे कैंपस में संवाद की संस्कृति कमजोर होती है और ध्रुवीकरण बढ़ता है।

सोशल मीडिया: आग में घी

आज सोशल मीडिया छात्र जीवन का बड़ा हिस्सा है। सूचना का तेज़ प्रवाह एक सकारात्मक बात है, लेकिन आधी-अधूरी जानकारी, एडिटेड वीडियो, भड़काऊ पोस्ट और ट्रोलिंग माहौल को ज़हरीला बना देती है।

कई बार कैंपस की छोटी घटना सोशल मीडिया पर बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जाती है। जातीय पहचान से जुड़े हैशटैग चलाए जाते हैं। इससे गुस्सा और अविश्वास बढ़ता है। ऑनलाइन टकराव ऑफलाइन झड़प में बदल जाता है। जवाबदेही का अभाव इस समस्या को और बढ़ाता है।

रैंकिंग, रिसर्च और गिरती प्राथमिकताएं

दुनिया की प्रमुख रैंकिंग एजेंसियों की सूची में शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में भारतीय संस्थानों की अनुपस्थिति अक्सर चर्चा का विषय बनती है। रिसर्च आउटपुट, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, फैकल्टी-स्टूडेंट अनुपात और इनोवेशन जैसे मानक हमारी कमजोरी दिखाते हैं। ऐसे समय में जब हमें लैब, लाइब्रेरी, रिसर्च फंडिंग और इंडस्ट्री सहयोग पर ध्यान देना चाहिए, हम कैंपस ऊर्जा का बड़ा हिस्सा आपसी टकराव में खर्च कर रहे हैं। जातीय और वैचारिक लड़ाइयां अकादमिक उत्कृष्टता का विकल्प नहीं बन सकतीं।

भेदभाव की वास्तविकता को भी नकारा नहीं जा सकता

यह भी सच है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत और सामाजिक भेदभाव की शिकायतें पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। कई समितियों और रिपोर्टों में यह माना गया है कि भेदभाव, बहिष्कार और मानसिक उत्पीड़न के मामले सामने आते रहे हैं। इसलिए समान अवसर, एंटी-डिस्क्रिमिनेशन सेल, काउंसलिंग सिस्टम और पारदर्शी शिकायत निवारण तंत्र की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन सुधार का रास्ता संस्थागत उपाय, संवाद और कानून से जाता है—न कि नफरत और टकराव से।

भजनलाल शर्मा ने वायुसेना के अधिकारियों से जयपुर में होने वाले सूर्यकिरण और सारंग एरोबेटिक शो के संबंध में ली जानकारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वायुसेना के अधिकारियों से जयपुर में होने वाले सूर्यकिरण और सारंग एरोबेटिक शो के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि 20 एवं 22 फरवरी को जल महल की पाल पर प्रस्तावित एरोबेटिक शो में सूर्यकिरण डिसप्ले टीम के विमान और सारंग डिस्पले टीम के हेलिकॉप्टर्स हिस्सा लेंगे। इनके द्वारा ट्राई कलर स्मोक का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इन रोमांचकारी हवाई प्रदर्शनों से आम जनता को रूबरू कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। लगभग 50 हजार दर्शक क्षमता के लिए जल महल की पाल पर व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, स्टेशन कमांडर विनय भारद्वाज, विंग कमांडर अजय दशरथी और अभिजीत सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वायुसेना के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को छायाचित्र भी भेंट किए।

मण्डल की न्याय के मंदिर के रूप में गरिमा बनाए रखना बार एवं बैंच की साझी जिम्मेदारी- वी. श्रीनिवास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा बुधवार को अजमेर प्रवास के दौरान राजस्व मण्डल के कार्यों की समीक्षा की गई। राजस्व मण्डल के अध्यक्ष हेमन्त गेरा ने मण्डल के द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रदान की। मण्डल के समस्त सदस्यों से काश्तकार हित में कार्य करने की अपेक्षा की गई। राजस्व मण्डल अभिभाषक संघ के अध्यक्ष शंकर लाल जाट, सचिव मनीष पाण्डिया, वरिष्ठ एडवोकेट ओ. एल. दवे तथा संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा वी. श्रीनिवास का अभिनन्दन किया गया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्व मण्डल की राज्य के साथ-साथ सम्पूर्ण देश में न्याय के मंदिर के रूप में पहचान है। इसकी यह गरिमा को अक्षुण रखना बार और बैंच की सामूहिक जिम्मेदारी है। इन्हें काश्तकार के हित को सर्वोपरी रखकर कार्य करना चाहिए। यह राजस्थान का सबसे बड़ा संस्थान है। यहां पर कार्य करने का अनुभव संतुष्टिदायक रहा है। यहां रोजाना 5 हजार से भी अधिक काश्तकारों का आना न्याय की इस संस्था में विश्वास को दर्शाता है। वर्तमान में हेमन्त गेरा के रूप में सबसे योग्य, नियमों की जानकारी रखने वाले तथा किसानों के हित में निर्णय लेने वाले अध्यक्ष से मण्डल के कार्यों में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि राजस्व न्यायालयों में राज्यभर में तथा राजस्व मण्डल में बड़ी संख्या में प्रकरण बकाया है। इनके निस्तारण की गति बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए नोटिस तामील की गति बढ़ाएं। मण्डल के सदस्य नियमित रूप से बैठें। समयबद्ध सुनवाई के साथ निर्णय किए जाएं। मंदिर, नदी-नाले एवं सार्वजनिक भूमि की सुरक्षा आवश्यक है। न्याय दिलाने के लिए बार के तैयार रहने पर बैंच को भी हमेशा तत्पर रहना चाहिए। मण्डल के कार्यों में तकनीक का इस्तेमाल करने से न्याय प्रक्रिया सरल एवं सहज सुलभ होगी। उन्होंने वर्तमान बजट में राजस्व मण्डल के नए भवन के लिए आवंटित 150 करोड़ की राशि से भवन निर्माण समय पर आरम्भ करने के निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व नियमों के संबंध में विशेषज्ञों के साथ चर्चा होनी चाहिए। व्यक्ति को समय पर न्याय मिलना सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। राजस्व संबंधी निर्णयों को लिखना एक महत्त्वपूर्ण विधा है। इसका समय-समय पर प्रशिक्षण होना चाहिए।

देवनानी ने सदन की गरिमा एवं अनुशासन सुनिश्चित करने हेतु के निर्देश दिए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन एवं मर्यादा के पालन को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि जिन माननीय सदस्यों के नाम चर्चा में भाग लेने हेतु निर्धारित किए जाते हैं, वे मंत्री के उत्तर तक सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। चर्चा केवल अपने विचार व्यक्त करने तक सीमित न रहे, बल्कि मंत्री के उत्तर को सुनना भी प्रत्येक सदस्य का दायित्व है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों को सीमित कार्य दिवसों के दौरान सदन में सक्रिय और जिम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अक्सर कोरम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जो सदन की कार्यवाही में व्यवधान उत्पन्न करती है। सभी सदस्यों की उपस्थिति अपेक्षित है, विशेषकर वे सदस्य जिनका नाम चर्चा के लिए निर्धारित है। अध्यक्ष देवनानी ने यह भी निर्देशित किया कि जब किसी भी अनुदान की मांग पर संबंधित मंत्री उत्तर देते हैं, उस समय मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि 16 अनुदान मांगों पर अलग-अलग मंत्रियों को उत्तर देना होता है, ऐसे में मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों का भी सदन में उपस्थित रहकर चर्चा सुनना संसदीय परंपरा और मर्यादा के अनुरूप है। अध्यनक्ष देवनानी अनुदान की मांगों पर कटौती प्रस्तावों की प्रक्रिया स्पष्ट करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि जिस दिन संबंधित मांग सदन में ली जाती है, उस दिन प्रस्तुत सभी कटौती प्रस्ताव सदन में प्रस्तुत माने जाएंगे। बोलने की अनुमति उन्हीं माननीय सदस्यों को दी जाएगी, जिनके नाम विभिन्न दलों के सचेतकों एवं सरकारी मुख्य सचेतक द्वारा आसन को भेजे जाएंगे। प्राथमिकता उन सदस्यों को दी जाएगी, जिनके कटौती प्रस्ताव सूचीबद्ध हैं। मतदान के समय यह परंपरा रही है कि प्रस्तुत कटौती प्रस्ताव स्वतः वापस माने जाते हैं। जिस माननीय सदस्य का नाम पुकारा जाएगा, वे अपने सभी कटौती प्रस्तावों पर एक साथ उसी समय अपने विचार रखेंगे। पार्टी के नेता अथवा अन्य प्रमुख सदस्य भी अपनी पार्टी की ओर से विचार व्यक्त कर सकेंगे। अध्यक्ष देवनानी ने यह भी स्पष्ट किया कि मांगों पर बहस के दौरान उठाए गए प्रश्नों का उत्तर संबंधित मंत्री उसी दिन देंगे। इसके पश्चात मांगों पर मतदान की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। समयाभाव के कारण जिन प्रश्नों का उत्तर तत्काल नहीं दिया जा सकेगा, उनका लिखित उत्तर संबंधित माननीय सदस्यों को उपलब्ध कराया जाएगा। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष ने सभी माननीय सदस्यों से संसदीय परंपराओं के पालन और सदन की गरिमा बनाए रखने में सक्रिय सहयोग देने की अपेक्षा व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि विधायकगण को जनता चुनकर भेजती है। सदन में सत्र के दौरान पूरा समय उपस्थित रहे। अनुशासन और मर्यादा का भी पालन करें।

ख़ुदा सभी मुसलमानों की हज पर जाने की इच्छा को पूरी करे - डॉक्टर इमरान खान

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। डॉक्टर इमरान खान सीनियर मेडिकल ऑफिसर गोरवमेंट ऑफ राजस्थान सरकार ने कहा कि ख़ुदा सभी मुसलमानों की हज पर जाने की इच्छा को पूरी करे यह शब्द डॉक्टर इमरान खान ने शाहपुरा से उमराह पर जारहे खाजू मणियार, सलमा बानो मणियार व पत्रकार मोहम्मद रफ़ीक़ मणियार के स्वागत करने के बाद में उपस्तिथ लोगों को कहे। हाल ही में उमराह करके आने वाले डॉक्टर खान ने यह भी बताया कि कैसे कम समय मे अधिक नेकियां कमाई जाती हैं। उमराह पर जारहे लोगो का व्यवहार बहुत अच्छा होने से हिन्द मुस्लिम सभी लोग स्वागत करते हुए दुआओं में याद रखने का निवेदन कर रहे थे। उमराह करने के लिए जा रहे हाजियों के परिवार में बहुत ख़ुशी का माहौल है आज आए हुए मेहमानों व कस्बेवासियों को दावत भी दी गई हैं। उमराह करने जाने वाले मोहम्मद रफ़ीक़ मणियार आदि ने बताया कि उमराह करने के नाम से ही हमको बहुत ख़ुशी व सुकून मिल रहा है हमारी तबियत खुश हो गई है दिल खुशियों में झूल गया है व हमारा रोम रोम खुश है। हाजियों ने बताया कि वहां पर इतना सुकून मिलेगा कि वापस आने का मन ही नहीं करेगा । हाजियों ने यह भी बताया कि वहां की अजान नमाज काबा का वो दिलकश नजारा आंखों के सामने रहेगा। इस अवसर पर पत्रकार जाफ़र लोहानी, मजदूर नेता अब्दुल अज़ीज़ लोहानी, मोहसिन खान, यासीन मणियार, सफि मणियार, सदीक मणियार, युसूफ मणियार, आमीन मणियार, सलीम मणियार, रफीक मणियार, नीलाम मणियार, गुलज़ार मणियार, सोयब मणियार, असरफ मणियार, साजीद मणियार, दिलशाद मणियार, हुसेन मणियार आदि लोग उपस्तिथ थे।

डिजिटल तकनीक से सशक्त होगी जनगणना-2027 की प्रक्रिया

- जिले के नियमित सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जनगणना-2027 की तैयारियों के अंतर्गत जिला स्तर पर नियमित सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार, 16 फरवरी 2026 को जिला परिषद सभागार, जयपुर में प्रारंभ होकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन संजय कुमार माथुर, जिला जनगणना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर उप जिला जनगणना अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग बाबू लाल मीणा ने जनगणना-2027 के कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रशिक्षण की कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना पूर्णतः डिजिटल मोड में आयोजित की जाएगी, जो पारदर्शिता, शुद्धता एवं त्वरित डेटा संकलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रशिक्षण के दौरान नियमित सहायकों को सीएमएमएस पोर्टल, स्वगणना ऐप तथा जनगणना-2027 के अंतर्गत आमजन से पूछे जाने वाले प्रश्नों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल उपकरणों के माध्यम से डेटा संकलन, अपलोडिंग एवं सत्यापन की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। निर्धारित कार्यक्रमानुसार 1 मई से 15 मई 2026 तक स्वगणना तथा 16 मई 2026 से 14 जून 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य संपादित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यशाला में जिले की सभी तहसीलों, नगर परिषदों, नगरपालिकाओं तथा नगर निगम जयपुर के आयुक्त कार्यालय एवं 13 जोन कार्यालयों से नियमित सहायक उपस्थित रहे। जनगणना कार्य निदेशालय से राज्य स्तरीय प्रशिक्षक सचिन कुमार एवं सुश्री नेहा कुमारी ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस डिजिटल मोड पर प्रायोगिक अभ्यास भी कराया गया। प्रतिभागियों को ब्लॉक गठन, पर्यवेक्षक एवं प्रगणक के आदेश ऑनलाइन जारी करने, कार्यक्षेत्र का ऑनलाइन विभाजन, स्वगणना की प्रक्रिया, तथा कार्य प्रारंभ होने के उपरांत जनगणना कार्य की रिपोर्टिंग एवं मॉनिटरिंग संबंधी बिंदुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026:

'राजस्थान AI पवेलियन' में प्रदेश ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित गवर्नेंस मॉडल किया प्रस्तुत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित इंडिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इम्पैक्ट समिट 2026 में 'राजस्थान AI पवेलियन' आकर्षण का केन्द्र बना है। राजस्थान पवेलियन में राज्य की डेटा-संचालित प्रशासनिक संरचना एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित गवर्नेंस मॉडल को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने बुधवार को 'राजस्थान AI पवेलियन' का दौरा किया और विभिन्न बैठकें कर हितधारकों के साथ विचार—विमर्श किया। साथ ही उन्होंने पवेलियन में स्टार्टअप संचालकों और युवाओं से वार्ता कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार देश का एआई हब बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस दिशा में आगामी बजट में दो एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की घोषणा की गई है। राज्य के एआई नवाचारों के बारे में बताते हुए हिमांशु गुप्ता ने कहा कि राजस्थान सरकार ने संपर्क पोर्टल पर आने वाली नागरिकों की फोन कॉल्स की समाधान प्रक्रिया को भी एआई से जोड़ा है। अब लगभग दस प्रतिशत कॉल्स एआई बॉट के माध्यम से रजिस्टर की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस पवेलियन में लगभग 20 स्टॉल्स के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा राजस्थान में टेक्नोलॉजी के माध्यम से हो रहे नवाचारों को बखूबी दिखाया जा रहा है।

एनवीडिया, गूगल इंडिया, सबमर और हेक्सागन एबी के साथ सहयोग पर हुई चर्चा—

शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सूरपुर और आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने इस अवसर पर एनवीडिया, गूगल इंडिया, सबमर और हेक्सागन एबी के अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें कीं। एनवीडिया के साथ एआई कम्प्यूट रेडीनेस, हाई-परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग, रिसर्च और स्टार्टअप विकास पर चर्चा हुई, जिससे राजस्थान को सोवरेन एआई हब बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया जाएगा। गूगल इंडिया से डिजिटल डेवलपर इकोनॉमी, एंड्रॉयड एआई स्किलिंग और पब्लिक सर्विस इनोवेशन पर वार्ता हुई। सबमर के साथ एआई-रेडी सस्टेनेबल डेटा-सेंटर, लिक्विड कूलिंग और ब्रह्मगुप्त सेंटर से जुड़े स्किलिंग पर फोकस रहा।हेक्सागन एबी से जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल ट्विन्स और एआई एनालिटिक्स का उपयोग पब्लिक सेफ्टी, इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग तथा जीआईएस-आधारित शासन में करने पर विचार-विमर्श हुआ।ये बैठकें राजस्थान को एआई-सक्षम शासन, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, सस्टेनेबल डिजिटल इकोसिस्टम और वैश्विक सहयोग में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। सभी हितधारकों ने पार्टनरशिप, पायलट प्रोजेक्ट्स और दीर्घकालिक सहयोग की मंशा जताई।

घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग व कालाबाजारी पर जिला रसद अधिकारी का बड़ा एक्शन

- 102 सिलेंडर सहित वाहन व उपकरण जब्त, 4 सतर्कता दलों की संयुक्त कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशों की अनुपालना में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के व्यवसायिक उपयोग, अवैध रिफिलिंग, अवैध भण्डारण एवं कालाबाजारी जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना एवं एलपीजी आपूर्ति प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जयपुर जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण द्वारा जयपुर शहर में कार्रवाई हेतु 4 जाँच दलों का गठन किया गया। गठित दलों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर प्रभावी कार्रवाई की। चारों कार्रवाइयों के दौरान कुल 102 घरेलू/व्यवसायिक एवं अप्रमाणित सिलेण्डर, 1 पिकअप, 02 मोटरसाइकिल, 02 रिफिलिंग मोटर मय रबर पाइप व नोजल, 02 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 1 रेगुलेटर, 5 भट्टियां, 1 मोबाइल एवं 1 फोन-पे स्कैनर जब्त किए गए। प्रकरण में 3 व्यक्तियों तथा सैनिक गैस सर्विस, शाहपुरा की प्रथम दृष्टया संलिप्तता सामने आने पर संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज करवाने की कार्रवाई की जा रही है। जाँच दल "ए" (श्रीमती सरोज मीणा, प्रवर्तन अधिकारी एवं श्रीमती सुनिता चौधरी, प्रवर्तन निरीक्षक) ने महल योजना डी ब्लॉक, बैरवा छात्रावास के पीछे, कैलाश सरोवर कॉलोनी, जगतपुरा (पुलिस थाना शिवदासपुरा) में कार्रवाई की। मौके पर अवैध क्रय-विक्रय एवं भण्डारण की पुष्टि होने पर 14 घरेलू गैस सिलेण्डर, 2 छोटे अप्रमाणित सिलेण्डर, 1 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 1 रिफिलिंग मोटर मय रबर पाइप व नोजल, 1 रेगुलेटर, 1 गैस रिफिलिंग जुगाड़, 2 मोटरसाइकिल, 1 मोबाइल एवं 1 फोन-पे स्कैनर जब्त किए गए। जाँच दल "बी" (सुश्री कविता शर्मा, प्रवर्तन अधिकारी एवं श्रीमती कीर्ति शर्मा, प्रवर्तन निरीक्षक) ने किरण पैराडाइज के सामने, पत्रकार रोड, मानसरोवर (पुलिस थाना पत्रकार कॉलोनी) क्षेत्र में दबिश दी। यहाँ से 12 घरेलू गैस सिलेण्डर, 1 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 1 रिफिलिंग मोटर मय रबर पाइप एवं 90 सिलेण्डर प्लास्टिक कैप जब्त किए गए। इस प्रकरण में 2 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जाँच दल "सी" (श्रीमती पूजा शर्मा एवं श्रीमती विजयलक्ष्मी शर्मा, प्रवर्तन अधिकारी) ने चांदपोल क्षेत्र में होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, मिठाई दुकान एवं फैक्ट्री जैसे व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण किया। 7 प्रतिष्ठानों पर घरेलू सिलेण्डरों का व्यवसायिक उपयोग पाया गया। कार्रवाई के दौरान 13 घरेलू सिलेण्डर एवं 5 भट्टियां जब्त की गईं। जाँच दल "डी" (श्री योगेश कुमार मिश्रा, प्रवर्तन अधिकारी एवं श्रीमती प्रिया गंगवानी, प्रवर्तन निरीक्षक) ने डी-491, जगदम्बा नगर, धावास रोड, गिरधारीपुरा (पुलिस थाना करणी विहार) में दबिश दी। मौके पर अवैध परिवहन, क्रय-विक्रय एवं अनधिकृत व्यापार की पुष्टि होने पर 57 घरेलू सिलेण्डर, 4 व्यवसायिक सिलेण्डर एवं 1 पिकअप वाहन जब्त किया गया। इस प्रकरण में 1 व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जिला रसद अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यवसायिक उपयोग एवं अवैध रिफिलिंग गंभीर अपराध है। ऐसी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत विभाग को दें, ताकि एलपीजी आपूर्ति प्रणाली में पारदर्शिता एवं उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संविदाकर्मियों की पीएफ और ईएसआई राशि जमा कराने के सख्त निर्देश

- भर्तियों में संविदाकर्मियों को प्राथमिकता से समायोजित करने के करेंगे प्रयास – स्वायत्त शासन राज्य मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबरमल खर्रा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा भर्तियां निकाले जाने पर प्राथमिकता के आधार पर संविदाकर्मियों के समायोजन का प्रयास किया जाएगा। प्रदेश में संविदाकर्मियों के हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा स्पष्ट निर्देश जारी कर पीएफ एवं ईएसआई की राशि जमा कराना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से नियुक्त कार्मिकों के वेतन से पीएफ एवं ईएसआई की राशि काटी तो जाती थी, किन्तु संबंधित विभागों में जमा नहीं कराई जाती थी। अब इस संबंध में नई व्यवस्था के तहत किसी भी निकाय द्वारा प्रथम माह का बिल बिना रसीद के पास कर भुगतान कर दिया जाएगा तथा द्वितीय माह का बिल आने पर पूर्व माह की पीएफ एवं ईएसआई राशि संबंधित विभाग में जमा कराने का चालान प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। निविदादाता द्वारा चालान प्रस्तुत नहीं करने पर अगले माह का भुगतान नहीं किया जाएगा। स्वायत्त शासन राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक डॉ. शिखा मील बराला द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि नगर परिषद चौमूं में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत दो कार्मिकों एवं एक संविदाकर्मी के विरुद्ध भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। राज्य सरकार द्वारा दोनों स्थायी कार्मिकों को उनके मूल विभाग पशुपालन विभाग में रिलीव कर दिया गया है। मूल विभाग को उन पर आरोपों के संबंध में जानकारी देकर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि संविदाकर्मी की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2026 का भर्ती कैलेंडर जारी कर दिया गया है, जिसके अनुसार अक्टूबर 2026 में सफाई कर्मचारी भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। खर्रा ने नगर परिषद चौमूं में वर्ष 2021-22 से अब तक प्रति वर्ष विभिन्न पदों पर नियुक्त संविदाकर्मियों की संख्या की जानकारी देते हुए कहा कि विभागों में वर्षों से विभिन्न कार्यों के लिए आवश्यकतानुसार संविदाकर्मियों की सेवाएं ली जाती रही हैं। राज्य सरकार द्वारा समय- समय पर पात्रतानुसार उन्हें नियमित भी किया जाता रहा है। इससे पहले सदस्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में स्वायत्त शासन राज्य मंत्री ने बताया कि नगर परिषद चौमूं में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के समयबद्ध निष्पादन के लिए निकाय में नियमित कार्मिकों की कमी को देखते हुए वर्ष 2017 से प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से संविदा पर कार्मिक नियोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने विगत पांच वर्षों में विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये कार्मिकों का ब्यौरा सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि इन कार्मिकों की नियुक्ति राजस्थान आरटीपीपी एक्ट-2012 एवं नियम-2013 में उल्लेखित नियमों एवं मानवीय संसाधनों के संबंध में समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा जारी नियमों/परिपत्रों के अनुसार की गई है। उन्होंने विगत पांच वर्षों में नियुक्त किये गये कार्मिकों का ब्यौरा सदन के पटल पर रखा।

उमराह पर जा रहे मणियार ने पत्रकार साथियों का स्वागत किया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा से सऊदी अरब में मक्का मदीना में अपने परिवार के साथ में उमराह पर जा रहे पत्रकार मोहम्मद रफ़ीक़ मणियार ने उनका स्वागत करने के लिए आए हुए पत्रकार साथियों का तहदिल से स्वागत करते हुए आभार जताया। इस अवसर पर पत्रकार विजय कुमार, ताम्बी पत्रकार, जाफ़र लोहानी, मजदूर नेता अब्दुल अज़ीज़ लोहानी, मोहसिन खान आदि का स्वागत किया गया।

जयपुर के भविष्य की यातायात व्यवस्था को मिलेगा नया विज़न

जयपुर । जयपुर शहर की वर्तमान और भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा तैयार किए गए कॉम्प्रीहेंसिव मोबिलिटी प्लान (CMP) का प्रारूप सार्वजनिक कर दिया गया है। इस महत्त्वपूर्ण योजना का उद्देश्य शहर में सुगम, सुरक्षित, समावेशी और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था विकसित करना है। जेडीए ने इस ड्राफ्ट को आमजन, विभिन्न हितधारकों, विशेषज्ञों, शैक्षणिक संस्थानों तथा गैर-सरकारी संगठनों (NGO) के सुझाव एवं अभिमत प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक किया है, ताकि शहर के विकास में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके। CMP का ड्राफ्ट बुधवार से जेडीए की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है और आगामी 7 (सात) दिनों तक अवलोकन हेतु ऑनलाइन देखा जा सकता है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

जयपुर में पैगाम-ए-मोहब्बत सद्भावना सम्मेलन का भव्य आयोजन में शामिल हुए ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। भीलवाड़ा कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह ने जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एम. डी. चौपदार के नेतृत्व में सोमवार सुबह 11: 00 बजे बिड़ला ऑडिटोरियम जयपुर में पैगाम-ए-मोहब्बत सद्भावना सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में प्रेम भाई चारा, हिंदू मुस्लिम सिख इसाई, हम हैं आपस में भाई-भाई, भावनाओं को मजबूत करने के लिए कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष मो. चोपदार ने संबोधित करते हुए कहा कि पैगाम-ए-मोहब्बत सद्भावना सम्मेलन राजस्थान के हर जिले में होना चाहिए है। भीलवाड़ा ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह एवं भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष हमीद रंगरेज दोनों जिला अध्यक्ष ने अपनी-अपनी टीम के साथ बड़ी संख्या में शामिल हुए। इकबाल मोहम्मद शाह ने बताया कि यह आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करने तथा विभिन्न वर्गों के बीच सवाद

बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की कार्यक्रम में विभिन्न समाजों के गणमान्य नागरिक सामाजिक कार्यकर्ता और युवाओं ने उत्साह पूर्ण भाग लिया मंच पर मौजूद वक्ताओं ने देश की गंगा जमुना तहजीब आपसी सम्मान और भाईचारे की परंपराओं को आगे बढ़ने पर जोर दिया। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने प्रोग्राम में पैगाम-ए-मोहब्बत सद्भावना सम्मेलन अभियान के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में समाज को जोड़ने नफरत को दूर करने और आपसी विश्वास को मजबूत करने की आवश्यकता है। भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह के नेतृत्व में जिले से आए सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज कराई और जोश और अनुशासन की प्रदेश नेतृत्व में सराहना भीलवाड़ा जिले का हर कार्यकर्ता इस पैगाम को गांव-गांव ढाणी-ढाणी तक लेकर जाएगा। इस सम्मेलन में दिशा निर्देश देने वाले मांडलगढ़ के पूर्व चेयरमैन जफर हुसैन टॉक, बीगोद कय्यूम मोहम्मद लुहार, फुलिया कला इकबाल मोहम्मद, कोटडी इमरान मोहम्मद मेवाती, बिगोद अब्दुल सलाम लोहार, आसींद तय्यब मोहम्मद शेख, गुलाबपुरा इमरान कुरेशी, मांडल जैनुल शेख, आरिफ खान कायमखानी, पूर्ण नगर अध्यक्ष इमरान अंसारी, भीलवाड़ा जिले से सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवैध शराब की दुकान हटवाने के लिए ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

हनीस शेख

करौली (रॉयल पत्रिका)। अवैध शराब की दुकान हटवाने के लिए ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें पुरानी बस्ती चिनायटा में भागमल पुत्र मंझोली जाटव द्वारा अवैध शराब की दुकान खोलने की शिकायत की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि यह दुकान सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक खुली रहती है, जिससे स्कूली छात्र-छात्राओं और महिलाओं के लिए रास्ते से आना-जाना मुश्किल हो गया है और शराबियों द्वारा शराब पीकर शोर, गाली-गलौज और चोरी जैसी घटनाएं बढ़ गई हैं। ज्ञापन में

निवेदन किया गया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए अवैध शराब की दुकान को हटाया जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय घटना न घट सके। इस अवसर पर वीरेंद्र, यादराम, उदयराम, महेंद्र, अतर सिंह, सुभाष, विसन्या, कौशल, भाग सिंह, गोपाल, रमेश, रुपन, रामगोपाल, रामनिवास, अंगूरी, ढकेली, मुन्नी, मनसुखी, सोनी, राजपाल एवं समस्त ग्रामीण उपस्थित रहे।

आरक्षण संघर्ष समिति का अल्टीमेटम: 25 फरवरी तक मांगें पूरी करें, वरना विधानसभा घेराव की तैयारी

-माली सैनी आरक्षण कि प्रतिक्रियाएं हुई तेज मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से की मुलाकात

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। आरक्षण संघर्ष समिति राजस्थान (सैनी-माली-कुशवाह-मौर्य-सुमन-भोई आदि समाज) ने राज्य सरकार को 25 फरवरी 2026 तक का अल्टीमेटम देते हुए अपनी 11 सूत्रीय मांगें पूरी करने की मांग की है। समिति के प्रदेशाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सैनी ने कहा कि निर्धारित समय तक सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो 25 फरवरी को जयपुर में विधानसभा घेराव किया जाएगा।समिति के अनुसार समाज पिछले कई वर्षों से ज्ञापन और आंदोलनों के माध्यम से सरकार को मांगों से अवगत कराता रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी के तहत 19 फरवरी से 'जन अधिकार यात्रा' निकालने की घोषणा की गई है।

मुख्य मांगें:-

सैनी-माली-कुशवाह, मौर्य, सुमन समाज को अलग से 12% आरक्षण, भारतीय सेना में सैनी रेजिमेंट का गठन, महात्मा ज्योतिबा फुले दम्पति को भारत रत्न से सम्मान, आंदोलन से जुड़े सभी मुकदमे वापस, समाज की सुरक्षा हेतु SC/ST एक्ट की तर्ज पर विशेष कानून, महात्मा फुले दम्पति का संग्रहालय निर्माण, अलग बागवानी

विकास बोर्ड का गठन, उच्च शिक्षा हेतु महात्मा फुले फाउंडेशन की स्थापना, नई फल-सब्जी व अनाज मंडियों में समाज को प्राथमिकता से आवंटन, महात्मा फुले बोर्ड को वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार, संत श्री लिखमीदास महाराज की जन्मस्थली नागौर को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करना।

जिन मुकदमों को वापस लेने की मांग: FIR-467/2022 — विश्वकर्मा थाना, जयपुर,FIR-428/2022 विद्याधर नगर, थानाजयपुर,-FIR-104/202लखनपुर थाना, भरतपुर,FIR-0096/2023 वैर थानाभरतपुर,FIR-0234/2022 लखनपुर थाना भरतपुर,-FIR-0038/2022उदयपुरावाटी थानाझुंझुनूं ।

' जन अधिकार यात्रा' कार्यक्रम: 19 फरवरी: गंधार (भरतपुर) हलैना, 20 फरवरी: हलैना महवा,21 फरवरी: महुआ मानपुर-सिकंदरा,22 फरवरी: मानपुर-सिकंदरा दौसा,23 फरवरी: दौसा बस्सी,24 फरवरी: बस्सी घाट की गुणी (जयपुर),25 फरवरी: विधानसभा घेराव, जयपुर।

जिसमें समिति के सदस्यों ने कहा कि यदि सरकार समय रहते निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन को प्रदेशभर में व्यापक रूप दिया जाएगा। ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला प्रशासन और मीडिया को भी भेजी गई है। जिसके बाद भी हमारी समाज सरकार में प्रशासन से घूमराह किया जा रहा है हमने अब तक शांतिपूर्ण आंदोलन कीये है ना किसी सरकारी चीज को हाथ पहुंचाई है परंतु अब हमारी मांगे नहीं मानी तो उग्र आंदोलन की पूर्ण रूप में तैयारी है जिसमें पूरे राजस्थान में सैनी समाज तैयार है।

बैठक में पर्यटन विकास पर चर्चा

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक बुधवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें जिले में पर्यटन विकास को लेकर की जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में शाहबाद किले तक पर्यटकों की पहुंच के लिए मुण्डियर राजपुर रोड से किले तक ग्रेवल रोड रिपेयर कार्य व सायनेज बोर्ड लगवाने तथा किले में चार करोड़ की राशि से संरक्षण व विकास कार्य के निर्देश दिए गए। साथ ही जिले के पर्यटन स्थलों पर एनटीपीसी के सहयोग से सायनेज बोर्ड लगाने को कहा गया है। बैठक में रामगढ़ क्रेटर, सीताबाड़ी, बिलासगढ़, शेरगढ़ आदि स्थानों पर भी पुरातत्व संरक्षण के लिए कार्य करने के निर्देश दिए गए। अमलसरा में निर्मित पर्यटक हट्स को 7 दिन में वन सुरक्षा समिति को हस्तान्तरित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिषद के सीईओ राजवीर सिंह चौधरी व पर्यटन केन्द्र के सिराज कुरैशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सवाईमाधोपुर जिले की सभी ग्राम पंचायतो पर होंगी गाँधी पाठशाला संचालित - विनोद जैन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गाँधी जीवन दर्शन समिति सवाई माधोपुर व महात्मा गाँधी विचार मंच के संयुक्त तत्वावदान मे सवाई माधोपुर जिले की सभी ग्राम पंचायतो में महात्मा गाँधी पढ़शालाए संचालित की जाएगी, गाँधी दर्शन के जिला संयोजक विनोद जैन ने बताया की पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देशन में सवाईमाधोपुर में गाँधी पाठशालाए खोली जाएंगी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से वर्चुवल संवाद के पश्चात निर्णय लिया की प्रथम चरण मे जिले की 75 ग्राम पंचायतों में गाँधी पाठशालाये खोली जानी है। जिसके लिए दिनांक 22 फ़रवरी 2026 से 15 मार्च 2026 तक आवेदन मांगे गए है। महत्मा गाँधी विचार मंच की प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी खुशबु शर्मा के हवाले से विनोद जैन बताया की सभी ग्राम पंचायतो में गाँधी पाठशालाओं के संचालन हेतु एक ग्राम पंचायत से एक गाँधी मित्र का चयन किया जायेगा, उसे प्रशिक्षित किया जायेगा । गाँधी मित्रो के चयन हेतु चयन समिति बनाई गई है जिसमें संतोष कुमार स्वामी संयोजक, खुशबु शर्मा सह संयोजक, मनीष जैन, गुरुवचन वाल्मिकी, हेमराज मीणा को सदस्य बनाया गया है इसी प्रकार सभी ब्लॉक से आवेदन प्राप्त करने के लिए ब्लॉक प्रभारी भी लगाए गए है । बोलीं से सुनीता करणावत व जाकिर शाह, बामनवास से हेमराज मीणा व बुध्दिराज मीणा, गंगापुर से विकास जैन, वजीरपुर से जाहिद फारूखी, खण्डार से बलवीर बैरवा व देविशंकर बैरवा चौथ का बरवाड़ा से शंकर लाल सैनी व चंद्रकलासैनी सवाईमाधोपुर से ज्योति शर्मा व अनुज शर्मा को आवेदन प्राप्त करने हेतु प्रभारी नियुक्त किया गया।

निरीक्षण में मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह में मिली खामियां, सुधार के दिए सख्त निर्देश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा बुधवार को मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह सवाई माधोपुर का निरीक्षण कर आवासितों की संख्या, आवासितों को मेन्यू के अनुसार भोजन की उपलब्धता, पुनर्वास गृह के कक्षों एवं परिसर की साफ-सफाई, आवासितों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु डॉक्टर की विजिट, स्टोर में उपलब्ध संसाधन आदि के संबंध में जांच की गई। निरीक्षण के दौरान पुनर्वास गृह में कुल 48 आवासित पाएं गएं। आवासितों द्वारा अवगत करवाया गया कि उन्हें मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध नहीं करवाया जाता है, रोजाना खाने में दाल एवं चपाती दी जाती है। साथ ही निरीक्षण के दौरान पुनर्वास गृह के परिसर में खरपतवार एवं झाड़ियां उगी पाई गई। इस संबंध में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा मौके पर उपस्थित पुनर्वास गृह के मैनेजर वीरसिंह गुर्जर को आवासितों को मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध करवाने, पुनर्वास गृह में उगी खरपतवार एवं झाड़ियों को

कटवाकर साफ-सफाई करवाने एवं पुनर्वास के योग्य व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए प्रभावी कदम उठाने के संबंध में सख्त निर्देश दिए गए। गत निरीक्षण में भी सचिव समीक्षा गौतम द्वारा निर्देश प्रदान किए गए थे, परन्तु पुनर्वास गृह के मैनेजर द्वारा निर्देशों को गंभीरता पूर्वक नहीं लिया जा रहा है। साथ ही सचिव समीक्षा गौतम द्वारा राजकीय संप्रेक्षण एवं किशोर गृह, का निरीक्षण कर अधीक्षक विमलेश कुमार से विधि से संघर्षरत किशोरों की संख्या, उनके मुकदमों, अधिवक्ता की उपलब्धता, किशोरों को संतुलित आहार, नाश्ते व भोजन की उपलब्धता, चिकित्सकीय सुविधा, डॉक्टर की विजिट आदि के संबंध में जानकारी ली गई। साथ ही सचिव समीक्षा गौतम द्वारा पालना गृह में छोड़ें गए शिशुओं की संख्या, शिशुओं को प्रदान मूलभूत सुविधाएं, बच्चों की दत्तक ग्रहण प्रक्रिया, बच्चों से संबंधित रजिस्टरों के संधारण आदि के संबंध में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान सचिव गौतम द्वारा मौके पर उपस्थित न्यायमित्रों तपेश जैन एवं नन्दकिशोर बैरवा से विधि से संघर्षरत किशोरों के प्रकरणों में की गई कार्यवाही के संबंध में भी जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह, पालना गृह एवं शिशुगृह में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई। इसी प्रकार त्रिनेत्र बालगृह एवं जिला कारागृह सवाई माधोपुर के निरीक्षण में भी सुविधाएं संतोषजनक पाई गई।

लिलगरान समाज ने डीएम एलटी परीक्षा में प्रथम रैंक आने पर तौफीक अहमद डायर का कीया सम्मान

शिक्षा वास्तविक महत्व को दर्शाती है एवं सफलता की चाबी है- राठौड़

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर लीलगरान मस्जिद के पास आयोजित सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ एव विधायक हरलाल सहारण ने कहा परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करना न केवल आपकी कड़ी मेहनत का फल है बल्कि यह शिक्षा के वास्तविक महत्व को भी दर्शाता है शिक्षा केवल अंक लाना नहीं बल्कि ज्ञान और अनुशासन के माध्यम से व्यक्तित्व का निर्माण करता है। आपकी यह सफलता सिद्ध करती है की लगन और सही दिशा में किया गया प्रयास हमेशा गौरवपूर्ण परिणाम लाता है। डीएमएलटी परीक्षा में लैब टेक्नीशियन में प्रथम रेंक आने पर तौफिक अहमद डायर का कौम लीलगरान व मुख्य अतिथि

द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कौम इस कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि एवं तोफीक डायर का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। लीलगरान के अध्यक्ष मोहम्मद सदिक ने बताया कि हर युवा को शिक्षा के माध्यम से आगे बढना होगा। उन्होने बताया कि सर्व समाज के युवाओं को आगे आने के लिए शिक्षा में अपनी पकड़ को मजबूत करना होगा। जिससे युवाओं को सफलता मिल सके। इस अवसर पर भंवर गुर्जर, सीनियर फिजिशियन डॉ. एफ एच गोरी, पार्षद असलम डायर, डॉ. साजिद चोहान, डॉ. जाकिर झारिया वाला, एम हारून गौरी, मोहम्मद रफीक चौहान बबलु, इस्माइल भाटी पार्षद आदि सहित लीलगरान समाज ने तौफिक डायर फूल मालाओं से सम्मान किया। इस दौरान राजु डायर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

चूरू जिला आबकारी कार्यालय परिसर में 57 वाहनों की हुई नीलामी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। आबकारी जोन बीकानेर के आबकारी आयुक्त की अध्यक्षता में मंगलवार को चूरू जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय परिसर में राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 के तहत पंजीकृत अभियोगों में जप्त कुल 64 वाहनों की सार्वजनिक रूप से नीलामी में कुल 57 वाहन नीलाम हुए। इस दौरान बीकानेर जोन अतिरिक्त आयुक्त मनीषा लेघा, जिला आबकारी अधिकारी सुमेर सिंह मीणा, कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल, परिवहन निरीक्षक चन्द्रशेखर शर्मा तथा समस्त आबकारी निरीक्षक व प्रहराधिकारी, आबकारी निरोधक दल उपस्थित रहे। जिला आबकारी अधिकारी सुमेर सिंह मीणा ने बताया कि नीलामी के दौरान आरक्षित राशि 83 लाख 53 हजार रुपये व बोली राशि 1.37 करोड़ रुपये से कुल 57 वाहन नीलाम किए गए।

राहत वेलफेयर सोसाइटी के नवीन जिला कार्यकारिणी सदस्यों का सम्मान समारोह एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सोसाइटी जिलाध्यक्ष सलीम खान सर्वा के नेतृत्व में और रफीक खान अखाण और आरिफ खान जोईया (भेरा) के सहयोग से सफलतापूर्वक कार्यक्रम में जिला एवं तहसील स्तर के पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए उन्हें विधिवत सम्मान पत्र एवं नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। समारोह के दौरान संगठन की मजबूती, सामाजिक एकता तथा जरूरतमंदों तक वास्तविक सहायता पहुँचाने के संकल्प को दोहराया गया। सोसाइटी के मुख्य संगठन के अध्यक्ष आरिफ खान नारू एवं कोषाध्यक्ष कय्यूम खान जोइया ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहेगा तथा हर स्तर पर टीम भावना के साथ कार्य करेंगे।उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम कुरैशी झुनझुनू ने पदाधिकारियों

का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर निम्न पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया —चूरू जिला अध्यक्ष: सलीम खान सर्वा, चूरू जिला उपाध्यक्ष: आजम अली खान जोईया, झुंझुनू जिला अध्यक्ष: अखलाक हुसैन नकवी , झुंझुनू जिला उपाध्यक्ष: मुदस्सर खान ,बिसाऊ तहसील अध्यक्ष (महनसर): सलीम खान उमरखानी , बिसाऊ तहसील उपाध्यक्ष: खानू खान महनसर,सरदारशहर तहसील अध्यक्ष (मन्नत होटल): असलम खान ,सरदारशहर तहसील उपाध्यक्ष: गफ्फार खान, जिला मीडिया प्रभारी (होटल हयात): यूनुस खान जोईया, कमेटी मेंबर: मुबारक खान कबीर खानी , एवं सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का समापन समाजसेवा के संकल्प और संगठन को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता के साथ हुआ। यह आयोजन सेवा, समर्पण एवं सामाजिक एकता का प्रेरणादायक उदाहरण साबित हुआ।

माहे रमजान इबादत का बेहतरीन महीना है और इंसानियत का पैगाम देता है

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम-उल-कादरी ने माहे रमजान की मुबारकबाद पेश करते हुए कहा कि रोजा एक ऐसी ईबादत है जिसके जरिये इंसान के अच्छे अखलाक कि शिक्षा भी होती है। रोजे से खोफे खुदा एवं हमदर्दी रहती और सहायता जैसी अच्छी विशेषताएं पैदा होती है। रोजेदार को दूसरे कि भुख प्यास का एहसास होता है। वो चाहता है के जो लोग भुखे प्यासे और जरुरतमंद है उनकी मदद करें तमाम लोग खुशनसीब है। जो रमजान में जरुरतमंदों कि सहायता करते हैं। अल्लाह पाक इस पाक महीने में हर नेकी का सवाब कई गुणा बढ़ाकर देता है जैसे नफ्ल का सवाब फर्ज के बराबर और एक फर्ज का सवाब 70 फ़र्ज़ के बराबर मिलता है। और रमजान के महीने के रोजे और ईबादत हमारे ईमान और अखलाक को मजबूत करते हैं। यह माह भाईचारा और सद्भाव कि प्रेरणा और इनसानियत कि राह पर चलने की तोफिक देता है शरीअत-ए-इस्लाम नमाज कि पाबंदी के साथ हमें नेक अमल करने नेक इंसान बनने कि हिदायत देता है। जकात हर मालिके नेसाब पर फर्ज है जकात गरीबों का हक है जकात इस्लाम का अहम

रुक्न कुरान–ए-करीम में ईमान के बाद नमाज और उसके साथ ही जकात का जिक्र किया है जकात माली इबादत है ये ऐसी ईबादत है जो कल्ब और रूह का मेल कुचेल भी साफ करती है इन्सान को आल्लाह का मुफलिस बन्दा बनाती है नीज जकात आल्लाह कि अता कि हुई बेहिसाब नेअमतों के एहतराफ और उसका शुक्र बजा लाने का बेहतरीन जरिया है जकात माल का वो हिस्सा है जिसका अदा करना फर्ज है इस्लाम में जकात के जरिये गुरबत खत्म किया जा सकता है इसलिए हर मालिके निसाब जकात अदा करें। रोजा खोलते वक्त खजूर काफी अहमियत रखती है रोजा खोलते ही सबसे पहले खजूर क्यों? रमजान में इफ्तार के वक्त दस्तरख्वान पर सभी फलों के साथ खजूर भी रखा जाता है। सबसे पहले उसे ही खाया जाता है और लोग इसे पसंद भी करते हैं। यह सुन्नत भी है। लेकिन इसके खाने का सही तरीका भी आपको पता होना चाहिए, बताया जाता है कि रोजाना एक रोजेदार को 2 से 3 खजूर से ही शुरुआत करनी चाहिए क्योंकि कुछ लोगों को यह नुकसान कर सकती हैं। रोजा रखने के बाद अगर सीधे भारी भोजन कर लिया जाए, तो पाचन क्रिया पर असर पड़ सकता है। खजूर पेट को हल्का रखकर डाइजेस्टिव सिस्टम को सक्रिय करता है, जिससे पाचन प्रक्रिया बेहतर बनी रहती है। यह गैस और अपच की समस्या को भी कम करने में सहायक होता है। खजूर रमजान में इसलिए खाया जाता है क्योंकि यह सुपरफूड माना जाता है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। अगर रोजेदार दिनभर भूखे रहकर कुछ खाते हैं तो पाचन क्रिया धीमी पड़ जाती है। डाइजेस्टिव सिस्टम को एक्टिव करने के लिए यह फायदेमंद मानी जाती है। शुगर के मरीजों को खजूर का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए, डॉक्टरों के अनुसार, शुगर पेशेंट्स सिर्फ 1 खजूर खा सकते हैं, क्योंकि यह शुगर लेवल को बढ़ा सकता है. इसलिए, मधुमेह रोगियों को अपने डॉक्टर से सलाह लेकर ही? सेवन करना चाहिए। माहे रमजान इबादत का एक बेहतरीन महीना है।

विधायक राजेंद्र मीणा द्वारा महवा की जनता की आवाज विधानसभा में बुलंद — कृषि कनेक्शन, ट्रांसफार्मर एवं विद्युत व्यवस्थाओं पर चर्चा

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजेंद्र मीणा ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान महुवा विधानसभा क्षेत्र की जनता, विशेषकर किसानों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को प्रभावी ढंग से सदन में उठाकर जनहित की आवाज को बुलंद करने का कार्य किया। विधायक राजेंद्र मीणा ने महुवा विधानसभाक्षेत्र में कृषि विद्युत कनेक्शनों की लंबित स्थिति, जले हुए ट्रांसफार्मरों के परिवहन में आ रही परेशानियों तथा विद्युत आपूर्ति की निरंतरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विधानसभा में राजस्थानसरकार से जवाब मांगा। इस पर ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने सदन को अवगत कराया कि उपलब्ध संसाधनों के आधार पर वरीयता क्रम में कृषि कनेक्शन जारी किए जा रहे हैं। वर्तमान में महुआ विधानसभा क्षेत्र में 242 कृषि कनेक्शन लंबित हैं। राज्य सरकार द्वारा नई कटऑफ तिथि घोषित किए जाने के बाद सामान्य श्रेणी के शेष पात्र आवेदकों को भी चरणबद्ध रूप से कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे। विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि किसान अन्नदाता है और समय पर बिजली कनेक्शन उपलब्ध होना उसकी प्राथमिक आवश्यकता है। उन्होंने मांग की कि लंबित कनेक्शनों की प्रक्रिया को तेज किया जाए ताकि किसानों को सिंचाई में किसी प्रकार की बाधा न आए।

जले हुए ट्रांसफार्मरों पर त्वरित कार्रवाई:-

ऊर्जा राज मंत्री हीरालाल नागर ने विधायक राजेंद्र मीणा के प्रश्न पर जानकारी दी कि बिजली आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने हेतु डिस्कॉम द्वारा प्रत्येक सब-डिवीजन स्तर पर लिफ्टर की व्यवस्था की गई है, जिससे जले हुए ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदला जा सके। यदि किसी आपात स्थिति में कोई किसान स्वयं के संसाधनों से ट्रांसफार्मर लाता या ले जाता है, तो ₹700 की राशि उसके बिजली बिल में समायोजित की जाती है। विधायक राजेंद्रमीणा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार तकनीकी व परिवहन संसाधनों की कमी के कारण किसानों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ती है, इसलिए इस व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

नगरीय क्षेत्रों में अंडरग्राउंड विद्युत लाइनें:-

सदन में विधायक राजेंद्र मीणा के प्रश्न पर यह भी स्पष्ट किया गया कि विद्युत लाइनों को अंडरग्राउंड करने का कार्य मुख्यतः संबंधित स्थानीय नगर निकाय द्वारा किया जाता है, जिसमें विद्युत विभाग डीपीआर (DPR) तैयार करने में तकनीकी सहयोग प्रदान करता है। विधायक ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में सुरक्षित एवं व्यवस्थित विद्युत व्यवस्था के लिए समन्वय आवश्यक है।

अनियमितताओं पर सख्त रुख:-

पिछली सरकार के कार्यकाल में जर्जर विद्युत लाइनों को बदलने के कार्यों में यदि किसी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार की शिकायतें आती हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने सदन में ठोस आश्वासन दिया। अंत में विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि वे महुवा क्षेत्र की जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए संकल्पबद्ध हैं। किसानों, युवाओं और आमजन की समस्याओं को राजस्थान की विधानसभा में मजबूती से उठाना उनका दायित्व है और वे निरंतर जनहित के मुद्दों पर हर स्तर पर संघर्ष करते रहेंगे।

आईआईएफएल फाईनेंस ने 9 प्रतिशत सालाना रिटर्न के साथ 2000 करोड़ के बॉन्ड जारी किए

मुंबई, एजेंसी। देश की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाईनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक, आईआईएफएल फाईनेंस लिमिटेड ने रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) के पब्लिक इश्यू जारी किए हैं, जो मंगलवार, 17 फरवरी, 2026 से मिलना शुरू होंगे। इनका इश्यू साईज़ 500 करोड़ रुपये है, और 1,500 करोड़ रुपये तक का ओवरसब्सक्रिप्शन बनाए रखने के लिए ग्रीन-शू विकल्प है। इस प्रकार कुल इश्यू साईज़ 2,000 करोड़ रुपये का होगा। इस फंड का उद्देश्य कंपनी के व्यवसाय में वृद्धि करना और पूंजी बढ़ाना है।

श्री निर्मल जैन, फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, आईआईएफएल फाईनेंस ने कहा कि, ''आईआईएफएल फाईनेंस भारत के प्रमुख एनबीएफसी में से एक है। यह पूरे देश में मजबूत स्थिति रखता है। इसका डाईवर्सिफाईड रिटेल पोर्टफोलियो 4.6 मिलियन से अधिक वंचित ग्राहकों को क्रेडिट प्रदान करता है। इस प्रस्तावित फंड के माध्यम से हम क्रेडिट की उपलब्धता और अधिक बढ़ाएंगे तथा अपने फंडिंग स्रोतों का विस्तार करेंगे। पिछले कुछ सालों में आईआईएफएल फाईनेंस ने बॉन्ड के माध्यम से फंड एकत्रित करने का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है तथा मूल राशि एवं ब्याज का समय पर भुगतान किया है।''

इस एनसीडी द्वारा 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक का प्रभावी रिटर्न मिलेगा और यह 24 महीनों, 36 महीनों, और 60 महीनों की अवधियों के लिए उपलब्ध होगा। ब्याज का पे-आउट मासिक, वार्षिक या मैच्योरिटी के बाद लिया जा सकता है।

इस इश्यू को क्राईसिल रेटिंग्स ने क्राईसिल एए/स्टेबल रेटिंग दी है। ब्रिकवर्क रेटिंग्स द्वारा इसे

बीडब्लूआर एए+ (स्टेबल) रेटिंग दी गई है, जिससे प्रदर्शित होता है कि इनमें बहुत कम क्रेडिट रिस्क है और ये फाईनेंशियल दायित्वों को समय पर पूरा करने के लिए बहुत ज्यादा सुरक्षित हैं।

31 दिसंबर, 2025 को आईआईएफएल फाईनेंस के पास 98,336 करोड़ रुपये के कंसोलिडेटेड लोन एस्सेट्स अंडर मैनेजमेंट (ए.यू.एम) थे। कंपनी लगातार मजबूत एस्सेट क्वालिटी बनाकर रखती है। 31 दिसंबर, 2025 को कंपनी की कंसोलिडेटेड लोन बुक के प्रतिशत हिस्से में कंपनी के पास 1.60 प्रतिशत ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एस्सेट (एनपीए) और 0.75 प्रतिशत नेट एनपीए हैं।

लोन बुक को पर्याप्त कोलेटरल द्वारा सुरक्षित कर लिया गया था

इसके अलावा, 31 दिसंबर, 2025 को कंपनी की 83.61 प्रतिशत कंसोलिडेटेड लोन बुक को पर्याप्त कोलेटरल द्वारा सुरक्षित कर लिया गया था, ताकि जोखिम और कम हो जाए। वित्तवर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में आईआईएफएल फाईनेंस ने 501.3 करोड़ रुपये का प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पीएटी) दर्ज किया, जो सालाना 514 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तवर्ष 2026 के नौ महीनों के लिए पीएटी 1,193.5 करोड़ रुपये रहा, जो सालाना 265 प्रतिशत अधिक है। विभिन्न बैंकों और फाईनेंशियल संस्थानों के साथ कंपनी के मजबूत संबंध हैं, जिससे फंडिंग की रणनीति में मदद मिलती है। 31 दिसंबर, 2025 को कंपनी के पास कंसोलिडेटेड आधार पर 4,761 शाखाओं का नेटवर्क था, जो देश के कोने-कोने में फैला था तथा कंपनी में कुल 36,786 कर्मचारी काम कर रहे थे। इश्यू के लीड मैनेजर ट्रस्ट इन्वेस्टमेंट एडवाईज़र्स प्राईवेट लिमिटेड, नुवामा वैल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड और आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज़ लिमिटेड हैं। निवेशकों को लिक्विडिटी प्रदान करने के लिए ये एनसीडी बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। हर एनसीडी की फेस वैल्यू 1,000 रुपये होगी। विभिन्न श्रेणियों में निवेशक कम से कम 10,000 रुपये के एप्लिकेशन साईज़ में आवेदन कर सकेंगे। पब्लिक इश्यू अरली क्लोज़र के विकल्प के साथ मंगलवार, 17 फरवरी, 2026 को खुलेगा और बुधवार 4 मार्च, 2026 को बंद होगा। आवंटन पहले आएं, पहले पाएं के आधार पर किया जाएगा।

मोबिलाइज़ ऐप लैब लिमिटेड का आईपीओ 23 फरवरी को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा उत्पाद विकास के लिए प्रतिभाओं की नियुक्ति, घरेलू बाजारों में विस्तार को गति देने हेतु बिज़नेस डेवलपमेंट और मार्केटिंग गतिविधियों, कंपनी के इंफ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ीकरण तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।एंकर निवेशक भाग शुक्रवार, 20 फरवरी 2026 को खुलेगा। मुख्य इश्यू सोमवार, 23 फरवरी 2026 को खुलेगा और बुधवार, 25 फरवरी 2026 को बंद होगा। इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर कॉर्पोरेट कैपिटलवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं, जबकि रजिस्ट्रार टू द इश्यू बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड हैं। मोबिलाइज़ ऐप लैब लिमिटेड के प्रमोटर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री आशीष शर्मा ने कहा, हमारी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग का शुभारंभ मोबिलाइज़ ऐप लैब लिमिटेड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम एक केंद्रित एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म से आगे बढ़ते हुए अब एक स्केलेबल, मल्टी-सॉल्यूशन सास कंपनी के रूप में विकसित हो रहे हैं, जो विभिन्न सेक्टरों और भौगोलिक क्षेत्रों में बी2बी क्लाइंट्स को सेवाएं प्रदान कर रही है। वर्षों के दौरान हमने शिक्षा, फैसिलिटी एवं एसेट मैनेजमेंट, सप्लाई चेन और ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने वाला मजबूत इआरपी पोर्टफोलियो तैयार किया है।

कुल इश्यू आकार- 10 अंकित मूल्य के 25,12,000 इक्विटी शेयर तक

इक्विटी शेयर आवंटन

एंकर निवेशक भाग – अधिकतम 7,13,600 इक्विटी शेयर। क्यूआईबी अधिकतम 4,76,800 इक्विटी शेयर। एनआईआई न्यूनतम 3,60,000 इक्विटी शेयर। इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स न्यूनतम 8,35,200 इक्विटी शेयर। ज़मार्केट मेकर ङ्क 1,26,400 इक्विटी शेयर

देव इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का 9 महीनों में राजस्व उछाल

मुंबई, एजेंसी। देव इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, एक वैश्विक आईटी सेवा कंपनी, जो क्लाउड सर्विसेज, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एंटरप्राइज एप्लिकेशन और मैनेज्ड आईटी सर्विसेज प्रदान करती है तथा टैलिजेंस और बाइटसाइनर जैसे उत्पादों की पेशकश करती है, ने क्यू3 एवं 9एम एफवाय25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। देव इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के संस्थापक एवं चेयरमैन श्री प्रणव पांड्या ने कहा- यह तिमाही उद्देश्यपूर्ण निवेश और प्लेटफ़ॉर्म सुदृढ़ीकरण का चरण दर्शाती है, जिसमें दीर्घकालिक विकास को समर्थन देने वाली क्षमताओं के निर्माण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। स्थिर राजस्व वृद्धि के साथ-साथ, इस अवधि में प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और रणनीतिक साझेदारियों में निरंतर निवेश किया गया, ताकि उच्च-विकास वाले डिजिटल क्षेत्रों में कंपनी की उपस्थिति मजबूत हो और परिचालन प्लेटफ़ॉर्म को सशक्त बनाया जा सके। इस तिमाही में निष्पादन और बाज़ार स्थिति में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई। सीएमएमआई मेच्योरिटी लेवल 5 की उपलब्धि कंपनी की डिलीवरी उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

खजांची ज्वेलर्स का क्यू3 में मार्जिन 181 बीपीएस बढ़ा

चेन्नई, एजेंसी। खज़ांची ज्वैलर्स लिमिटेड जो सोना, हीरे, कीमती पत्थर और बुलियन आइटम्स में विशेषज्ञता रखने वाली प्रमुख भारतीय ज्वैलरी कंपनियों में से एक है, ने क्यू3 और 9एम एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। खजांची ज्वेलर्स के चेयरमैन एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक, राजेश मेहता ने कहा, हमने क्यू3 और 9एम एफवाय26 में मजबूत और संतुलित प्रदर्शन दर्ज किया, जो लगातार व्यवसाय की गति, बेहतर संचालन दक्षताओं, और प्रमुख उत्पाद श्रेणियों में स्वस्थ मांग से संचालित था। डिज़ाइन नवाचार, ब्रांड निर्माण, इन्वेंटरी अनुशासन और ग्राहक अनुभव पर हमारा सतत ध्यान हमारे बाजार स्थान और लाभप्रदता को और मजबूत करता है।

हनुमानकाइंड और थम्स अप ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले में भरा रोमांच

मुंबई, एजेंसी। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब उत्साह को बस थोड़ा बढ़ाना होता है, लेकिन कुछ मौके ऐसे होते हैं जहाँ पूरी तरह 'थंडर' दिखाना पड़ता है। भारतङ्कपाकिस्तान का क्रिकेट मैच भी ऐसा ही पल है, जहाँ अंदाज़ सिर्फ एक ही होता है—तूफानी। अपने मशहूर मंत्र 'आज कुछ तूफानी करते हैं' की भावना को जीते हुए, थम्स अप ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के भारत- पाकिस्तान मुकाबले को एक यादगार रोमांच में बदल दिया। मशहूर हिप-हॉप स्टार हनुमानकाइंड ने जब स्टेडियम की कमान संभाली, तो मैच का जोश और भी बढ़ गया। खचाखच भरे स्टेडियम के बीच हनुमानकाइंड ने थम्स अप का नया एंथम 'टेस्ट द थंडर' पेश किया और अपने कुछ खास गानों से पूरे माहौल में जोश भर दिया। उनका बेबाक और बिंदास अंदाज़ मैच की तीव्रता के साथ पूरी तरह मेल खाता दिखा। उनके परफॉरमेंस ने थम्स अप की ऊर्जा को स्टैंड्स से लेकर स्क्रीन तक जीवंत कर दिया।

डिजिटल भुगतान सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा दे रहा है

भोपाल। डिजिटल भुगतान ने वरिष्ठ नागरिकों के दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। इससे किराना, दवाइयों या यात्रा बुकिंग जैसे कार्यों के लिए भुगतान करना आसान हो गया है। यह उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है, क्योंकि वे छोटी-छोटी दैनिक आवश्यकताओं के लिए परिवार के सदस्यों पर निर्भर हुए बिना स्वयं भुगतान कर सकते हैं। साथ ही, यह अधिक सुरक्षा और नियंत्रण भी प्रदान करता है, क्योंकि नकद रखने की आवश्यकता कम होती है, चोरी या गुम होने का जोखिम घटता है और हर भुगतान का रिकॉर्ड लेन-देन इतिहास में सुरक्षित रहता है। जैसे-जैसे डिजिटल भुगतान का उपयोग बढ़ रहा है, ठग भी सोशल इंजीनियरिंग के माध्यम से लोगों को धोखा देने के प्रयास बढ़ा रहे हैं।

टाइटन ने गुकेश डोम्माराजु को बनाया टाइटन ऑफ द ईयर 2026

मुंबई, एजेंसी। पिछले 40 सालों में टाइटन ने खूबसूरत डिज़ाइनों, प्रमाणित तकनीकों और भरोसे के ज़रिए समय के साथ भारत का रिश्ता पूरी तरह से बदल दिया है। यह भारतीय भावना और विश्वस्तरीय निष्पादन को दर्शाता है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए टाइटन वॉचेज़ ने आज 'टाइटन ऑफ द ईयर' के दूसरे संस्करण का लॉन्च करने की घोषणा की है, यह प्लेटफॉर्म उन लोगों को सम्मानित करता है, जिन्होंने अपनी यात्रा के साथ परम्पराओं को चुनौती दी, मास्टरी में नए बेंचमार्क स्थापित किए हों और विश्वस्तरीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने में योगदान दिया हो। पहले संस्करण के ज़रिए विंग कमांडर राकेश शर्मा को श्रद्धांजली देने के बाद 2026 का संस्करण ग्राण्डमास्टर गुकेश डोम्माराजु को सम्मानित करता है, जिन्होंने निडर योजना, शांत सटीकता एवं स्थायी उत्कृष्टता को सर्वोच्च स्तर पर लाकर बेहतरीन प्रदर्शन वाली यात्रा को एक नई पहचान दी। इस यात्रा को सम्मान देते हुए ब्राण्ड ने इन गुणों से प्रेरित लिमिटेड एडीशन घड़ियों का अनावरण किया है, जो परफोर्मेन्स को बेहतरीन डिज़ाइन और बारीकी से की गई कारीगरी में बदल देती है। यह डिज़ाइन गेम की मापी हुई संरचना से लिए गए संतुलन एवं संयम के ज़रिए 'मास्टर मुव' की अवधारणा को दर्शाता है। इसके केन्द्र में टाइगर आई और ब्लैक एगेट से बना एक जटिल मार्कवेटरी डायल है, जिसकी ज्योमेट्री शतरंज के बोर्ड और गुकेश के खेल के पीछे की शांत बुद्धिमत्ता से प्रेरित है। वहीं घड़ी की सुईयां खेल की विशेषताओं और शतरंज के मोहरे की खास चाल प्रतीक हैं, जो डायल के लेआउट में उनके सधे हुए लेकिन सोचे-समझे दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। रोटर पर ग्रैंडमास्टर नाइट का

चित्र और 'यंगेस्ट वर्ल्ड चैस चैंपियन एट 18' लिखा है, जो विश्वस्तरीय मंच पर गुकेश की जीत को दिखाता है। घड़ी की ल्यूम-फिल्ड सुइयां उसी फोकस और शांति के साथ चलती हैं जो उनके खेल की पहचान है। एक ग्रैंडमास्टर नाइट काउंटरपॉइज़ सिग्नेचर डिटेल उनके खेल की रणनीतिक उत्कृष्टता को उजागर करता है। रोज़-गोल्ड फिनिश वाले 316 स्टेनलेस स्टील केस और बेज़ेल में लगा सफायर क्रिस्टल इसके कंपोज़िशन को सुरक्षित करता है। टाइटन के इन-हाउस ऑटोमेटिक मुवमेंट से चलने वाली घड़ियां के इस कलेक्शन में मात्र 500 पीस हैं। यह घड़ी रोज़ गोल्ड की हल्की चमक और गहरे काले इटैलियन लेदर स्ट्रैप के साथ अपनी खास पहचान बनाती है। यह संयोजन सादा होते हुए भी खास, आधुनिक और टिकाऊ है। इस अवसर पर राहुल शुक्ला, वाईस प्रेज़ीडेन्ट एवं चीफ़ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर, वॉचेज़ डिविज़न, टाइटन कंपनी लिमिटेड ने कहा, ''अपनी शुरूआत से ही टाइटन भारत की भावनाओं का अभिन्न हिस्सा रहा है।

नोवापॉड्स और नोवावॉच 24 फरवरी को लॉन्च होंगे

एआई+ ने अब तक का अपना सबसे बड़ा इकोसिस्टम ड्रॉप अनाउंस किया

दिल्ली, एजेंसी। एआई प्लस ने आज 24 फरवरी को अपने नए एआईओटी लाइनअप नोवापॉड्स (गो, प्रो, क्लिप्स) और नोवावॉच (एक्टिव, किड्स 4जी, वेयरबड्स) के ऑफिशियल लॉन्च की तारीख कन्फर्म की। ये साथ मिलकर एआई प्लस के कनेक्टेड इकोसिस्टम का अगला कदम हैं- ऐसे डिवाइस जो दिखने में स्टाइलिश हों, काम में स्मूथ हों, और रोजमर्रा के अनुभव को सच में बेहतर बनाएं। इसके पीछे एक सीधा वादा है- हैशटैग ऐड ए प्लस।लोगों को ज्यादा डिवाइस नहीं चाहिए। उन्हें कम झंझट चाहिए, एआई प्लस स्मार्टफोन के फाउंडर और सीईओ माधव सेठ ने कहा। नोवापॉड्स और नोवावॉच को इस तरह डिजाइन किया गया है कि ये असली रुटीन में आसानी से फिट हो जाएं- कॉल, म्यूजिक, वेलनेस, फैमिली सेफ्टी, बिना किसी एक्स्ट्रा जटिलता के। एआई प्लस सोच समझकर आगे बढ़ रहा है, और पूरे भरोसे के साथ।नोवापॉड्स लाइनअप तीन अलग अलग लिसनिंग स्टाइल लेकर आता है, जो फैशन फॉरवर्ड टेक, कंफर्ट और वैल्यू को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हैं। गो रोजमर्रा की जरूरतों के लिए ट्यून किया गया है, जिसमें कुल 24 घंटे तक का प्लेबैक, आईपीएक्स4 वॉटर रेसिस्टेंस, 10 मिमी ड्राइवर और 60 मिलीसेकंड की अल्ट्रा लो लेटेंसी मिलती है। इसके कलर ऑप्शन भी फैशन स्टेटमेंट जैसे हैं- फॉरेस्ट ग्रीन, मिडनाइट ब्लैक और आइस ब्लू व्हाइट। प्रो काम और फोकस के लिए बनाया गया है, जिसमें हेसा माइक टेक्नोलॉजी के साथ कुल 30 घंटे तक का प्लेबैक, हाइब्रिड एएनसी (एक्टिव नॉइज कैंसलेशन) और ईएनसी (एनवायरनमेंटल नॉइज कैंसलेशन), और ड्यूल पेयरिंग मोड मिलता है, जिससे अलग अलग डिवाइस के बीच स्विच करना आसान हो जाता है। क्लिप्स स्टाइल और कंफर्ट को आगे रखता है, क्लिप स्टाइल डिजाइन के साथ जो ईयर कैनल पर जीरो प्रेशर देता है। इसे इस तरह इंजीनियर

किया गया है कि लंबे समय तक सुनने में आराम रहे और यह एआई प्लस की हैशटैग बिल्ट फॉर योर हेल्थ फिलॉसफी के अनुरूप हो। कलाई पर नोवावॉच भी इसी सोच को आगे बढ़ाता है- काम की चीज, कनेक्टेड और रोजमर्रा के भारत के लिए तैयार। एक्टिव रोज की वेलनेस को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिसमें 1.73 इंच का एमोलेड स्क्वर्कल डिस्प्ले है, यानी स्क्वायर और सर्कल का मेल, जो क्लासिक और अवांट गार्ड घड़ी डिजाइन की याद दिलाता है। इसमें स्मार्ट फंक्शनल क्राउन, एडवांस्ड हेल्थ ट्रैकिंग और ऑलवेज ऑन डिस्प्ले मिलता है। आईपी68 रेटिंग के साथ यह जरूरी फीचर सादगी और साफ डिजाइन में देता है। किड्स 4जी स्मार्ट सेफ्टी लेकर आता है, जिसमें टू वे वीडियो कॉलिंग, 4जी जीपीएस के साथ जियो फेंसिंग, वन क्लिक एसओएस इमरजेंसी अलर्ट, और क्लास मोड व पेरेंटल कंट्रोल शामिल हैं। इसमें 1.69 इंच का एचडी डिस्प्ले दिया गया है। जो यूजर ज्यादा फीचर चाहते हैं लेकिन अलग से डिवाइस नहीं रखना चाहते, उनके लिए वेयरबड्स ब्रांड की इनोवेशन सोच को दिखाता है। इसमें बिल्ट इन ईयरबड्स, 1.43 इंच का एमोलेड डिस्प्ले, 2 जीबी तक म्यूजिक स्टोरेज, रियल टाइम हेल्थ ट्रैकिंग, बिल्ट इन चैटजीपीटी और एआई लाइव ट्रांसलेशन जैसे फीचर मिलते हैं।

भारत की पहली ट्रिपल-प्रोटेक्शन वॉल पुट्टी लांच

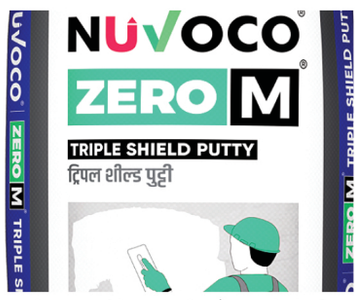

मुंबई, एजेंसी। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी और कैपेसिटी के मामले में पांचवीं सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी, ने न्युवोको ज़ीरो एम ट्रिपल शील्ड पुट्टी लॉन्च की है। यह एक प्रीमियम व्हाइट सीमेंट-बेस्ड वॉल केयर सॉल्यूशन है जिसे एक ही सॉल्यूशन में एंटी-माइक्रोबियल, वॉटरप्रूफिंग और एंटी-एफ्लोरेसेंस परफॉर्मेंस के तीन बेहतरीन फायदे देने के लिए डिजाइन किया गया है। सिल्वर आयन टेक्नोलॉजी से बना यह प्रोडक्ट बैक्टीरिया, फंगस और एल्गी को बढ़ने से रोककर शील्डेड प्रोटेक्शन देता है। इसके अलावा, जर्मन एक्टिव साइलेन्स-सिलोक्सेन के साथ इसका एडवांस्ड हाइड्रोफोबिक

पॉलीमर फॉर्मूलेशन नमी और दरारों के लिए मजबूत प्रतिरोध देता है, साथ ही अपनी एंटी-एफ्लोरेसेंस प्रॉपर्टीज के जरिए व्हाइट सॉल्ट के जमाव को रोकता है, जिससे मुश्किल हालात में भी दीवार की लंबे समय तक चलने वाली सुरक्षा पक्की होती है। न्युवोको ज़ीरो एम ट्रिपल शील्ड पुट्टी अंदर और बाहर दोनों तरह के इस्तेमाल के लिए सही है, यह सीमेंट-बेस्ड प्लास्टर, कंक्रीट और मोर्टार सतहों पर बहुत अच्छी पकड़ देता है। वाली सुरक्षा देता है।इसके अलावा, यह प्रोडक्ट इको-फ्रेंडली, लो-वीओसी मटीरियल का इस्तेमाल करके बनाया गया है, जो न्युवोको के सस्टेनेबल और हाई-परफॉर्मेंस होम प्रोटेक्शन सॉल्यूशन के समर्पण को और पक्का करता है।चिराग शाह, हेड-मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने जोर देकर कहा कि न्युवोको में, हम लगातार ऐसे इनोवेटिव और सस्टेनेबल सॉल्यूशन देने के लिए समर्पित हैं जो घर की देखभाल को बेहतर बनाते हैं।

वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय में मशीन लर्निंग एवं ऑप्टिमाइज़ेशन तकनीकों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का सफल आयोजन

सीहोर। गणित विभाग, स्कूल ऑफ एडवांस्ड साइंसेज एंड लैंग्वेजेज, VIT Bhopal University द्वारा Numerical & Optimization Techniques for Machine Learning in Real-World Applications विषय पर 11 से 13 फरवरी 2026 तक एक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का सफल आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस कार्यशाला को मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल द्वारा तकनीकी प्रायोजन प्राप्त था।इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य गणितीय मूल सिद्धांतों तथा उनके मशीन लर्निंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच सेतु स्थापित करना था। इसमें भारत एवं यूरोप के प्रतिष्ठित संस्थानों से आए प्रख्यात शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं उद्योग विशेषज्ञों ने सहभागिता की, जिससे एक समृद्ध अंतर-विषयक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण हुआ। उद्घाटन सत्र का आयोजन 11 फरवरी 2026 को किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के गणमान्य अधिकारी, शिक्षकगण एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात डॉ. हेमंत कुमार नाशिने (डीन, स्र्स्रु) द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। कार्यशाला का परिचय डॉ. अनंत कांत शुक्ला (संयोजक) द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा डॉ. नेहा चौबे (संयोजक) द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर MPCST, भोपाल को तकनीकी सहयोग हेतु तथा विश्वविद्यालय प्रबंधन को संस्थागत समर्थन हेतु विशेष आभार व्यक्त किया गया।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने भारत की डेटा सेंटर महत्वाकांक्षाओं को दी रफ्तार, स्केल्ड-अप और ग्रीन-रेडी समाधान पेश

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप भारत के तेजी से बढ़ते डेटा सेंटर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी मजबूत कर रहा है। पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, बसडक्ट सॉल्यूशंस और ग्रीन कंसल्टेंसी सर्विसेज के क्षेत्र में एकीकृत समाधान पेश करते हुए समूह इस ऊर्जा-गहन सेक्टर की जरूरतों को पूरा कर रहा है। इन विशेष समाधानों के साथ, समूह का एनर्जी सॉल्यूशंस व्यवसाय अगले तीन वर्षों में कुल राजस्व का 10 से 15 प्रतिशत हिस्सा डेटा सेंटर से हासिल करने का लक्ष्य रख रहा है। यह लक्ष्य भारत सरकार की उस नीति दिशा के अनुरूप है, जिसके तहत देश को वैश्विक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनाने पर जोर दिया गया है, जैसा कि केंद्रीय बजट 2026 में भी रेखांकित किया गया।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए गोदरेज एनर्जी सॉल्यूशंस के बिजनेस हेड राघवेंद्र

मिर्जी ने कहा, भारत का डेटा सेंटर क्षेत्र तेज विकास के चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसे मजबूत नीतिगत समर्थन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती मांग का सहारा मिला है। हालांकि, ये सुविधाएं आज बनाए जा रहे सबसे अधिक ऊर्जा खपत करने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट्स में शामिल हैं। इससे हमारे पावर इंफ्रास्ट्रक्चर व्यवसाय के लिए अत्याधुनिक और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने वाली परियोजनाएं विकसित करने का बड़ा अवसर पैदा होता है। हम अपने मॉड्यूलर बसडक्ट सिस्टम को ग्रीन बिल्डिंग विशेषज्ञता के साथ जोड़कर हाइपरस्केलर और एंटरप्राइज कंपनियों को भारत में तेजी से विस्तार करने में मदद कर सकते हैं, साथ ही ऊर्जा खपत, लागत और कार्बन उत्सर्जन को कम कर सकते हैं। बड़े पैमाने की परियोजनाओं को इलेक्ट्रिकल समाधान प्रदान करने के अनुभव और ग्रीन कंसल्टिंग विशेषज्ञता के साथ, हम इस बदलाव को समर्थन देने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। जैसे-जैसे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, डेटा सेंटर देश के सबसे अधिक ऊर्जा-गहन इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट्स में शामिल होते जा रहे हैं। सरकार ने डेटा सेंटर और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दीर्घकालिक टैक्स हॉलिडे और नीतिगत समर्थन भी घोषित किया है, जिससे डिजिटल अर्थव्यवस्था में इनकी रणनीतिक अहमियत स्पष्ट होती है। इससे उन एकीकृत समाधान प्रदाताओं के लिए अवसर बढ़ने की उम्मीद है, जो ऊर्जा-कुशल सिस्टम उपलब्ध करा सकें और बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण में सहयोग कर सकें। डेटा सेंटर की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए अब समर्पित पावर इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग बढ़ रही है, ताकि निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, दक्षता, विश्वसनीयता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिकल बसडक्ट सिस्टम और नेट-ज़ीरो लक्ष्य हासिल करने के लिए ग्रीन कंसल्टिंग सॉल्यूशंस की जरूरत भी तेजी से बढ़ रही है।

ईडीआईआई ने 'एंटरप्रेन्योरशिप फॉर टेक स्टार्टअप्स' में पीजीडीएम की घोषणा की

बेंगलुरु, एजेंसी। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), जो भारत में उद्यमिता शिक्षा का अग्रणी संस्थान है, ने आज बेंगलुरु में एंटरप्रेन्योरशिप फॉर टेक स्टार्टअप्स में पीजीडीएम की घोषणा की। यह एआईसीटीई अनुमोदित प्रबंधन कार्यक्रम तकनीकी पेशेवरों को उद्यमिता संबंधी शिक्षा, मेंटरशिप और वेंचर-बिल्डिंग सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि वे अपने उच्च संभावनाशील विचारों को सफल स्टार्टअप में बदल सकें।

नया टेक स्टार्टअप्स विशेषज्ञता पाठ्यक्रम एडटेक, हेल्थटेक, फिनटेक, एआई आधारित व्यवसायों और तेजी से विस्तार करने वाले डिजिटल उद्यमों जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित

है। यह कार्यक्रम व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ तैयार किया गया है, जिसमें नए अवसरों की पहचान, योजना की सफलता की जांच, बिजनेस मॉडल तैयार करना, प्रोडक्ट विकसित करना, निवेश की तैयारी और बाजार में प्रभावी लॉन्च रणनीति पर विशेष ध्यान दिया गया है। डॉ.सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, बेंगलुरु देश की तकनीकी गतिविधियों का केंद्र है और कर्नाटक स्टार्टअप उछाल के केंद्र में है। ऐसे में टेक स्टार्टअप्स विशेषज्ञता की शुरुआत के लिए यह उपयुक्त स्थान है। आज के युवा उद्देश्यपूर्ण तरीके से उद्यमिता को करियर के रूप में चुन रहे हैं। ईडीआईआई उद्यमिता विकास का एक स्पष्ट मार्ग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो आने वाले दशक में राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे।

राशा थडानी

ने स्टार किड्स के खिलाफ करवाया नेगेटिव पीआर? मां रवीना टंडन ने दिया रिएक्शन

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को लेकर कई बार ऐसी खबरें आती रही हैं कि उन्होंने स्टार किड्स के खिलाफ नेगेटिव पीआर करवाया है। अब इस पूर मामले पर रवीना ने चुप्पी तोड़ी है। उई अम्मा सॉन्ग जब रिलीज हुआ था, तबसे ही सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चाएं शुरू हो गई थीं कि राशा थडानी ने अपनी छवि को बेहतर करने के लिए बाकी स्टार किड्स के खिलाफ नेगेटिव पीआर करवाया है.अब इस पूरे मामले पर राशा की मां रवीना टंडन ने अपना रिएक्शन दिया है और बेटी का बचाव किया हैहाल ही में रवीना को जूम स्पॉटलाइट पॉडकास्ट में देखा गया। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर खुलकर बात की। इसी दौरान उन्होंने राशा के खिलाफ फैले अफवाहों को खारिज किया. इस पॉडकास्ट के दौरान रवीना ने सोशल मीडिया पर होने वाली चर्चाओं के बारे में खुलकर बात की, जो उनकी बेटी राशा के गाने उई अम्मा के रिलीज के बाद शुरू हुई थी। रवीना ने कहा कि राशा की तुलना ट्रोल्स से लेकर फैंस तक ने दूसरे यंगस्टर्स के संग करनी शुरू कर दी थी।रवीना ने इस दौरान किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि अभी वो सभी बच्चे हैं। उन्होंने कहा कि इन स्टार किड्स में कई को तो वो बचपन से जानती हैं, क्योंकि वो उनके दोस्तों के बच्चे हैं और उनकी आंखों के सामने बड़े हुए हैं। रवीना ने आगे कहा कि ये तुलनाएं जल्द ही फैन वॉर में बदल गई और सोशल मीडिया पर नैरेटिव्स सेट किया जाने लगा.उन्होंने कहा कि कुछ सोशल मीडिया यूजर्स उनकी बेटी की तारीफ कर रहे थे और कुछ दूसरे स्टार किड्स का समर्थन कर रहे थे।वहीं, कुछ लोग दोनों पक्षों के खिलाफ नेगेटिव बातें कर रहे थे।

सुष्मिता से पहले 'मैं हूं ना' में इस अभिनेत्री को लेना चाहती थीं फराह, बताई कास्ट न करने की वजह

फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उनकी साल 2004 में आई डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म 'मैं हूं ना' में शाहरुख खान के अपोजिट किरदार के लिए सुष्मिता सेन पहली पसंद नहीं थीं। सुष्मिता सेन के क्लासिक रोल के लिए सबसे पहले उनकी पसंद समीरा रेड्डी थीं। फराह ने अपने यूट्यूब व्लॉग में समीरा रेड्डी के साथ हुई हालिया बातचीत में यह बात बताई। फराह ने कहा, 'मैंने पहली बार आपको 'आहिस्ता कीजिए बातें' म्यूजिक वीडियो में देखा था। आपने इंडियन ट्रेडिशनल कपड़े पहने थे और बहुत खूबसूरत लग रही थीं। मैंने सोचा था कि 'मैं हूं ना' में चांदनी का रोल आपके लिए परफेक्ट होगा।' इस खुलासे पर समीरा रेड्डी हैरान रह गई और फराह से पूछा, 'हे भगवान! फिर आपने मुझे क्यों नहीं लिया? 'फराह ने जवाब देते हुए कहा कि तब तक हालात बदल चुके थे। उन्होंने बताया, 'क्योंकि आपने 'मैंने दिल तुझको दिया' कर लिया था।' यह फिल्म साल 2002 में सोहेल खान के साथ समीरा की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म थी। फराह के मुताबिक, उस समय समीरा की इमेज और प्रोजेक्ट्स बदल चुके थे, इसलिए फैसला सुष्मिता सेन के पक्ष में गया। समीरा इस खुलासे पर काफी खुश हुईं, लेकिन साथ ही थोड़ी निराश भी दिखीं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है, क्योंकि 'मैं हूं ना' उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक रही। 'मैं हूं ना' में शाहरुख खान लीड रोल में हैं।

धुरंधर 2 की शूटिंग पर मंडराए संकट के बादल! BMC ने नियमों के उल्लंघन पर स्टूडियो को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश की

बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने फिल्म की शूटिंग के दौरान कई नियमों के उल्लंघन की शिकायत की है, जिसके बाद धुरंधर 2 के मेकर्स नई मुसीबत का सामना कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सेट पर कई बार नियम तोड़े गए। निर्देशक आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2' एक के बाद एक नई कानूनी मुश्किलों में घिरती नजर आ रही है। बृहन्मुंबई नगर निगम ने फिल्म के सेट पर नियमों के कई गंभीर उल्लंघनों के बाद संबंधित स्टूडियो को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश की है जिसके बाद धुरंधर 2 के मेकर्स नई मुसीबत का सामना कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सेट पर कई बार नियम तोड़े गए। एक बार तो खाना पकाने के लिए गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया गया। दूसरे मामले में, अधिकारियों को बताए बिना शूटिंग की जगह बदल दी गई।

तू या मैं ने मुझे वो आत्मविश्वास दिया जो मुझमें नहीं था: शनाया कपूर

अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपनी हालिया फिल्म तू या मैं की कई तस्वीरें साझा करते हुए सोशल मीडिया पर एक नोट लिखा और कहा कि यह फिल्म उन्हें तब मिली जब उनमें आत्मविश्वास की कमी थी। यह फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। बिजॉय नांबियार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कपूर के साथ आदर्श गौरव भी हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म तू या मैं की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने पूरी टीम को धन्यवाद दिया और कहा कि इस फिल्म ने उन्हें आत्मविश्वास दिया है। शनाया ने 2025 में आंखों की गुस्ताखियां से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने लिखा, तू या मैं मेरे जीवन में उस समय आई जब मुझमें आत्मविश्वास की कमी थी... और इसने मुझे वह आत्मविश्वास दिया... और उससे भी कहीं अधिक। तू या मैं अब सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म ने मुझे बहुत कुछ सिखाया... इस कला को सीखने का मेरा सफर अभी लंबा है... इसलिए बिजॉय नांबियार और आनंद एल राय के थोड़े सनकी किरदार के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। उन्होंने लिखा है, बिजॉय नांबियार सर, अवनि को जीवंत करने के लिए धन्यवाद... मुझ पर विश्वास करने और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद... आपके निर्देशन में काम करने का मौका मिलने के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी लव यू सर।

'द केरल स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड' का तीखे तेवर और बेबाक अंदाज़ से सजा दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज

विपुल अमृतलाल शाह और उनके बैनर 'सनशाइन पिक्चर्स' के सपोर्ट से बनी 'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड' का दमदार ट्रेलर आखिरकार सामने आ गया है। यह हाल के सालों की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक की वापसी का संकेत है। 2022 की फिल्म 'द केरल स्टोरी' का यह अगला पार्ट एक ऐसी कहानी का वादा करता है जो पहले से कहीं ज्यादा डार्क और बड़ी है, जो कई राज्यों और निजी त्रासदियों को समेटे हुए है। ट्रेलर की शुरुआत एक रोंगटे खड़े कर देने वाली चेतावनी से होती है: जिसमें कहा गया है कि अगले 25 सालों में भारत एक इस्लामिक स्टेट में बदल सकता है। इसके तुरंत बाद कहानी राजस्थान की तरफ मुड़ती है, जहाँ एक परेशान हिंदू परिवार पुलिस स्टेशन में पोक्सो शिकायत दर्ज कराने पहुँचता है। उनका आरोप है कि उनकी 16 साल की बेटी का जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया है। उन माता-पिता का दर्द और बेबसी आगे आने वाली कहानी का माहौल सेट कर देती है। ?वहाँ से कहानी मध्य प्रदेश पहुँचती है, जहाँ कथित तौर पर एक हिंदू युवती को धोखे से शादी के जाल में फंसाया जाता है, और फिर उसे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता है। उसकी खामोश तकलीफ और अकेलापन, धोखे और टूटे हुए भरोसे की एक डरावनी तस्वीर पेश करते हैं। कहानी का तीसरा हिस्सा हमें वापस केरल ले जाता है। यहाँ एक मुस्लिम लड़का अपनी हिंदू गर्लफ्रेंड के सामने लिव-इन रिलेशनशिप का प्रस्ताव रखता है। जब वह लड़की साफ तौर पर कह देती है कि वह अपना धर्म नहीं बदलेगी, तो हालात बिगड़ने लगते हैं। ट्रेलर में तीखी बहस और टकराव के सीन दिखाए गए हैं, जहाँ उस पर अपने विश्वास को छोड़ने का दबाव बनाया जाता है, जो पहचान, आस्था और निजी आजादी के बीच की जंग को दर्शाता है। कामाख्या नारायण सिंह के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा की झकझोर देने वाली कहानी को सामने लाती है। उनकी जिंदगी तब एक खौफनाक मोड़ लेती है जब उन्हें तीन मुस्लिम लड़कों से प्यार हो जाता है और धीरे-धीरे उन रिश्तों के पीछे छिपा धर्म परिवर्तन का एक सोचा-समझा एजेंडा सामने आता है। 'द केरल स्टोरी' के जबरदस्त इम्पैक्ट के बाद, जिसने अपनी बोल्ड कहानी से पूरे देश को हिला दिया था, चुप्पी और इनकार की सीमाओं को तोड़ते हुए यह सीक्वल और भी आगे जाने का वादा करता है। कामाख्या नारायण सिंह द्वारा निर्देशित 'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड' के प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह हैं और को-प्रोड्यूसर आशिन ए. शाह हैं। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पटकथा लेखक सलीम खान मुंबई के अस्पताल में भर्ती

वरिष्ठ पटकथा लेखक सलीम खान को मंगलवार को मुंबई के बांद्रा स्थित लीलावती अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया। सलीम खान ने जावेद अ तर के साथ मिलकर शोले , दीवार और डॉन जैसी सुपरहिट फिल्में लिखी हैं। अस्पताल के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया,'90 वर्षीय पटकथा लेखक को सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया। पटकथा लेखक के स्वास्थ्य स्थिति के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है। खान के बेटे सुपरस्टार सलमान खान, बेटी अलवीरा और दामाद अतुल अग्निहोत्री और आयुष शर्मा को अस्पताल में जाते हुए देखा गया। जानकारी के मुताबिक सलीम खान पिछले साल 24 नवंबर को 90 वर्ष के हुए थे। इंदौर के एक समृद्ध परिवार से ताल्लुक रखने वाले खान स्टार बनने का सपना लेकर करीब 20 साल की उम्र में मुंबई आए थे। वह काफी आकर्षक थे और उन्हें भरोसा था कि वह एक अभिनेता के तौर पर फिल्म उद्योग में अपनी पहचान बनाएंगे। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका। करीब एक दशक तक संघर्ष करने और फिल्मों में छोटी भूमिकाओं तक सीमित रहने के बाद उन्होंने अपना रास्ता बदल लिया।उन्होंने अबरार अल्वी के सहायक के रूप में कार्य किया। इसके बाद जल्द ही उनकी मुलाकात जावेद अ तर से हुई। फिर अ तर और खान ने मिलकर करीब दो दर्जन फिल्मों पर काम किया, जिनमें से अधिकतर फिल्में ब्लॉकबस्टर साबित हुईं।खान और अ तर की जोड़ी ने शोले , दीवार और डॉन के अलावा त्रिशूल , जंजीर , सीता और गीता , हाथी मेरे साथी , यादों की बारात और मिस्टर इंडिया जैसी फिल्मों की पटकथा भी लिखी थी।

महिलाओं और क्वीर कहानियों को सपोर्ट करना सही लगता है

श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने प्रोड्यूसर के रूप में महिलाओं पर आधारित और क्वीर कहानियों को सपोर्ट करने का फैसला किया है, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह सही है और इस काम में उन्हें खास महसूस होता है। एक आर्टिस्ट के तौर पर यह उनके लिए एक बड़े मकसद का हिस्सा है। श्वेता ने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है। इस फिल्म में तिलोत्तमा शोम मुख्य भूमिका में हैं और यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जो इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता खुद भी अभिनय कर रही हैं। श्वेता पहले भी क्वीर प्ले 'कॉक' को प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो माइक बार्टलेट की ओलिवर अवॉर्ड विनर ड्रामा है। कई शहरों में ये ड्रामा प्ले हुआ और दर्शकों से इसे शानदार रिस्पॉन्स मिला। अभिनेत्री ने बताया, 'मेरे लिए यह बहुत पर्सनल है। अगर हम समाज में कोई खास बदलाव देखना चाहते हैं, तो हमें खुद इसका हिस्सा बनकर शुरुआत करनी होगी। महिलाओं और क्वीर लाइफ की कहानियां हमेशा से मौजूद रही हैं, लेकिन उन्हें वह जगह और सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं। अब जब मुझे चुनने और कुछ बनाने का मौका मिला है, तो मुझे इसका सही इस्तेमाल करना है। 'वह चाहती हैं कि यह कहानी दर्शकों को जानी-पहचानी और खास लगे। उनका मानना है कि क्वीर कहानियां असरदार होने के लिए जोरदार या सनसनीखेज नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया, 'कभी-कभी ये कहानियां कोमल और रोजमर्रा की होती हैं। वे हमेशा खुद को जाहिर नहीं करतीं, लेकिन आपके साथ रहती हैं। मैं इसी तरह के काम से जुड़ना चाहती हूं। ' श्वेता ने आगे कहा, 'यह वह रास्ता लगता है जिस पर मैं चलना चाहती हूं। महिलाओं पर आधारित विषयों को सपोर्ट करना, क्वीर आवाजों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदार रहना। यह सही लगता है और मेरे लिए एक आर्टिस्ट के तौर पर घर जैसा और बड़े मकसद का हिस्सा है। ' अभिनेत्री जल्द ही 'मिर्जापुर-द मूवी' में नजर आएंगी, जो 4 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी के साथ पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु, रसिका दुग्गल समेत पुराने और नए कलाकार शामिल हैं।

(साभार एजेंसी)

महिला वर्ल्ड कप जीत की हीरो को मिला बड़ा सम्मान

साल की सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी बनीं स्मृति मंधाना

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को वर्ष 2025 के लिए 'बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' चुना गया है। यह सम्मान उन्हें महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने के लिए दिया गया। सोमवार को आयोजित भव्य समारोह में देश की कई महिला खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

वीडियो संदेश के जरिए जताया आभार

इस समय स्मृति मंधाना भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं, जहां टीम मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेल रही है। उन्होंने वीडियो संदेश के माध्यम से बीबीसी का धन्यवाद करते हुए कहा कि 2025 महिला क्रिकेट के लिए बेहद खास साल रहा और टीम की सफलता में योगदान देना उनके लिए गर्व की बात है।

अन्य खिलाड़ियों को भी मिला सम्मान

युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर', पैरा एथलीट प्रीति पाल को 'पैरा स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर', पूर्व निशानेबाज अंजली भागवत को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड', विजेताओं का चयन लिएंडर पेस, दीपा मलिक और अंजू बॉबी जॉर्ज सहित प्रतिष्ठित जूरी द्वारा किया गया।

करियर में लगातार नए कीर्तिमान

29 वर्षीय बाएं हाथ की बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला क्रिकेट की सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार हैं। महिला वनडे इंटरनेशनल में दूसरे सबसे ज्यादा शतक, मौजूदा खिलाड़ियों में कुल रन के मामले में दुनिया की तीसरे नंबर की बल्लेबाज, महाराष्ट्र के सांगली में जन्मी स्मृति को क्रिकेट की प्रेरणा उनके पिता और भाई से मिली, जो जिला स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

सितंबर 2025 में स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महज 50 गेंदों में शतक जड़ दिया था। यह 50 ओवर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी भारतीय (पुरुष या महिला) द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक था। इस पारी के साथ उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026

सुपर 8 में भारत के मुकाबले इन टीमों से होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने लगातार तीन जीत दर्ज करते हुए सुपर 8 में शानदार अंदाज में जगह पक्की कर ली है। पाकिस्तान को 61 रन से हराकर टीम इंडिया ने ग्रुप 'ए' से अगले दौर का टिकट कटाया। अभी एक लीग मैच बाकी है, लेकिन भारत ने ग्रुप 1 में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

सुपर 8 का फॉर्मेट क्या रहेगा?

सुपर 8 में कुल 8 टीमें खेलेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर ग्रुप में चार टीमें होंगी। आईसीसी ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही संभावित ग्रुप तय कर दिए थे। यानी टीम टेबल में पहले या दूसरे स्थान पर रहे, उसे पहले से निर्धारित ग्रुप में ही रखा जाएगा।

भारत का सुपर 8 शेड्यूल और वेन्यू

- भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका – 22 फरवरी, अहमदाबाद
- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया/जिम्बाब्वे – 26 फरवरी, चेन्नई
- भारत बनाम वेस्टइंडीज – 1 मार्च, कोलकाता
- पहला मुकाबला 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में खेला जाएगा, जिस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

ग्रुप 1 में किन टीमों से होगी भिड़ंत?

ग्रुप 1 में भारत के साथ वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया/जिम्बाब्वे में से एक टीम शामिल होगी। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका ने अपने तीनों मैच जीतकर सुपर 8 में जगह बना ली है। चौथी टीम का फैसला अभी बाकी है। ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे ग्रुप 'बी' में हैं और क्वालीफिकेशन की रेस में बने हुए हैं। आयरलैंड के पास भी बाहर से मौका है। अगर कोई प्री-सीडेड टीम (जैसे ऑस्ट्रेलिया) टॉप-2 में नहीं आती, तो उसकी जगह अगली सर्वश्रेष्ठ टीम को मिलेगी।

ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्डकप से लगभग बाहर

लगातार तीसरी जीत से श्रीलंका सुपर-8 में पहुंचा, निसंका ने इस टूर्नामेंट का पहला शतक लगाया

कोलंबो (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया को टी-20 वर्ल्ड कप में एक और करारी हार झेलनी पड़ी है। उसे सोमवार के तीसरे मैच में श्रीलंका ने 8 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो गई है। अब उसकी उम्मीदें जिम्बाब्वे की हार पर टिकी हैं। अगर जिम्बाब्वे मंगलवार को होने वाले मैच में आयरलैंड को हरा देती है, तो ऑस्ट्रेलिया बाहर हो जाएगी। पल्लेकेले स्टेडियम में ग्रुप बी के इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 181 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका ने 182 रन का टारगेट 18 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। पथुम निसंका ने 52 बॉल पर नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस पारी में 10 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। निसंका ने इस टूर्नामेंट का पहला शतक लगाया। कुसल मेंडिस ने 51 रन बनाए।

- **जिम्बाब्वे पर टिकीं ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदें** – श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सुपर-8 में एंट्री कर ली। वहीं कंगारू टीम लगभग बाहर हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया को अब ओमान के खिलाफ आखिरी मैच में जीत के साथ जिम्बाब्वे के दोनों मैच हारने का इंतजार भी करनी होगी।

न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप के सुपर-8 में पहुंचा

कनाडा को 8 विकेट से हराया, युवराज टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बैटर बने

चेन्नई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 31वें मुकाबले में कनाडा को 8 विकेट से हराकर सुपर-8 में जगह पक्की कर ली। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए इस मैच में कनाडा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी और 20 ओवर में 4 विकेट पर 173 रन बनाए। जवाब में कीवी टीम ने 15.1 ओवर में सिर्फ 2 विकेट गंवाकर टारगेट हासिल कर लिया।

फिलिप्स-रचिन के अर्धशतक

174 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र ने अर्धशतक लगाए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए नाबाद 146 रन की साझेदारी हुई। फिलिप्स ने 36 बॉल पर नाबाद 76 रन बनाए।

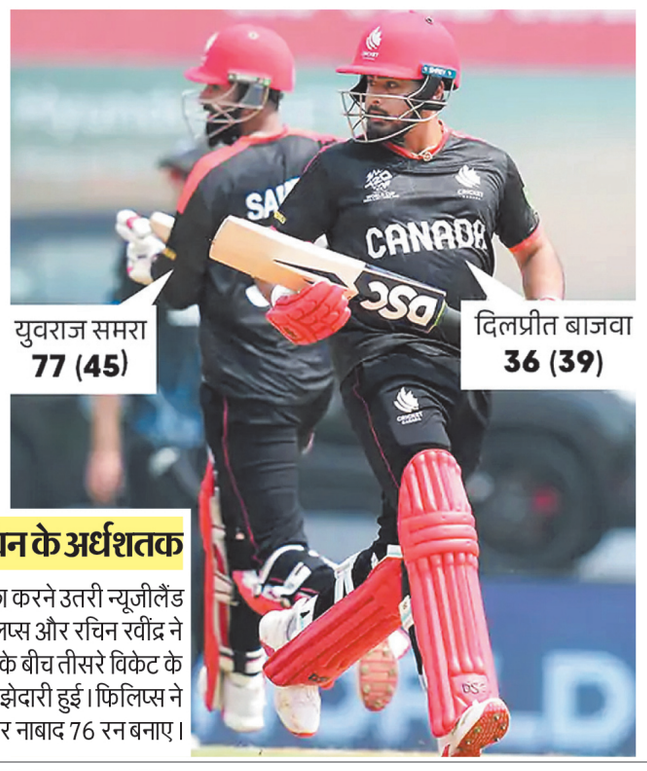

युवराज समरा का शतक

कनाडा के लिए युवराज समरा ने शतक लगाया। उन्होंने 65 बॉल पर 110 रन बनाए। 19 साल के युवराज टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के अहमद शहजाद के नाम थी, जिन्होंने 2014 में 22 साल 127 दिन की उम्र में बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में शतक लगाया था। टीम के लिए युवराज के अलावा कप्तान दिलप्रीत बाजवा ने 36 रन बनाए। युवराज और दिलप्रीत के बीच पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी हुई। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी, जैकब डफी, काइल जैमीसन और जिमी नीशम को 1-1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

न्यूजीलैंड– फिन एलन, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चापमन, डेरिल मिचेल (कप्तान), कोल मैककोनी, जिमी नीशम, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, जैकब डफी।

कनाडा–दिलप्रीत बाजवा (कप्तान), युवराज समरा, नवनीत धालीवाल, हर्ष ठाकेर, निकोलस किर्टन, श्रेयस मोव्वा (विकेटकीपर), साद बिन जफर, शिवम शर्मा, दिलोन हेलिगर, जसकरन सिंह, अंश पटेल।

क्या टी20 वर्ल्ड कप 2026 में फिर होगा भारत-पाक में महामुकाबला?

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कोलंबो में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और सुपर-8 में जगह पक्की कर ली। यह टी20 विश्व कप इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की 8वीं जीत रही। इस हार के बाद पाकिस्तान की सुपर-8 में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है।

टूर्नामेंट का पूरा फॉर्मेट

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 20 टीमों को 4 ग्रुप (ए-बी-सी-डी) में बांटा गया है। हर ग्रुप से टॉप-2 टीमें सुपर-8 में पहुंचती हैं। सुपर-8 में 8 टीमों को दो ग्रुप (ग्रुप-1 और ग्रुप-2) में बांटा जाएगा। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी।

सुपर-8 में भारत-पाक मुकाबला क्यों मुश्किल?

आईसीसी ने टूर्नामेंट से पहले ही प्री-सीडिंग सिस्टम लागू किया था। भारत को एक्स1 (ग्रुप-1), पाकिस्तान को बाय 3 (ग्रुप-2), यानी सुपर-8 में दोनों टीमें अलग-अलग ग्रुप में रहेंगी। इसलिए सुपर-8 चरण में भारत और पाकिस्तान का दोबारा आमना-सामना संभव नहीं है।

तो फिर कैसे हो सकती है दोबारा भिड़ंत?

सेमीफाइनल में- भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल में तभी भिड़ सकते हैं जब- एक टीम अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहे, दूसरी टीम दूसरे ग्रुप में दूसरे स्थान पर, अगर दोनों टीमें अपने-अपने ग्रुप में टॉप पर रहती हैं या दोनों दूसरे स्थान पर रहती हैं, तो सेमीफाइनल में भी मुकाबला संभव नहीं होगा।ह्य

एक ओवर में कूटे 20 रन, 22 गेंद में ठोकी फिफ्टी

इटली के बल्लेबाज बेन मानेंटी ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली तूफानी पारी

कोलकाता (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 29वें मुकाबले में भले ही इटली को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उसके मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज बेन मानेंटी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींच लिया। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मुकाबले में मानेंटी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए सिर्फ 22 गेंदों में अर्धशतक ठोक दिया।

203 रन का पीछा, शुरुआत रही बेहद खराब – 203 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी इटली की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने महज 23 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। ऐसा लग रहा था कि मैच एकतरफा हो जाएगा, लेकिन ओपनर जस्टिन मोस्का और बेन मानेंटी ने पारी को संभाला। मोस्का ने एक छोर थामे रखा, जबकि मानेंटी ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए गेंदबाजों पर दबाव बना दिया।

- **22 गेंद में फिफ्टी, विल जैक्स के ओवर में 20 रन** – मानेंटी ने चौके-छक्कों की झड़ी लगाते हुए महज 22 गेंदों में फिफ्टी पूरी की। खास तौर पर विल जैक्स के एक ओवर में उन्होंने दो चौके और दो छक्के जड़ते हुए 20 रन बटोर लिए। 28 वर्षीय इस बल्लेबाज ने 25 गेंदों में 60 रन की पारी खेली, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल थे। मोस्का (43) के साथ उनकी 92 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड की धड़कनें बढ़ा दीं।
- **ओवरटन और करन ने पलटा मैच** – हालांकि जेमी ओवरटन ने मानेंटी को आउट कर इंग्लैंड को राहत दिलाई। इसके बाद ग्रांट स्टीवर्ट ने 23 गेंदों में 45 रन की तेज पारी खेलकर इटली की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन सैम करन ने उनका विकेट लेकर मैच पर इंग्लैंड की पकड़ मजबूत कर दी।
- **मैच का नतीजा- 24 रन से जीता इंग्लैंड** – इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 202 रन बनाए। जवाब में इटली की टीम 178 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड ने 24 रन से जीत दर्ज कर सुपर-8 में जगह बना ली।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में मोहम्मद शमी का कहर

चयनकर्ताओं को दिया मजबूत संदेश

बंगाल (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि क्लास कभी पुरानी नहीं होती। रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में बंगाल की ओर से खेलते हुए शमी ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ आठ विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। 35 वर्षीय अनुभवी पेसर ने कल्याणी में अपनी धारदार गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया।

- **सेमीफाइनल में घातक स्पेल** – कल्याणी के बंगाल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे मुकाबले में शमी ने पहली पारी में कहर बरपाया। उन्होंने 59वें ओवर में पांच विकेट पूरे किए और जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाजी को पूरी तरह झकझोर दिया। शमी की रफ्तार, लाइन-लेंथ और अनुभव ने बल्लेबाजों को लगातार दबाव में रखा। विकेटकीपर-बल्लेबाज कन्हैया वधावन का विकेट उनके स्पेल का अहम मोड़ रहा, जिसके बाद बंगाल ने मैच पर पूरी पकड़ बना ली।

इस सीजन में शानदार लय

यह प्रदर्शन कोई एक दिन का चमत्कार नहीं है। शमी इस रणजी सीजन में लगातार प्रभावी रहे हैं। अब तक सात मैचों में वह 38 विकेट झटक चुके हैं, जिसमें तीन बार पांच विकेट हॉल भी शामिल है। पिछले महीने सर्विसेज़ के खिलाफ उन्होंने दूसरी पारी में 5/51 का शानदार आंकड़ा दर्ज किया था। उनकी गेंदबाज़ी में पुरानी धार साफ दिख रही है, जो बताती है कि फिटनेस और फॉर्म दोनों उनके साथ हैं।

नीदरलैंड के खिलाफ अभिषेक से आक्रामक पारी का इंतजार रहेगा, स्पिनरों के सामने सुधार करना चाहेगा भारत

अहमदाबाद (एजेंसी)। अपनी पिछली दो पारियों में खाता खोलने में नाकाम रहे सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नीदरलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के मैच में बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जबकि भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज भी सुपर आठ चरण से पहले स्पिन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। अभिषेक शर्मा ने पिछले 18 महीने में खुद को इस प्रारूप का खतरनाक खिलाड़ी साबित किया है लेकिन घरेलू मैदान पर खेली जा रही आईसीसी प्रतियोगिता में वह अभी तक अपना जलवा नहीं दिखा पाए हैं।

अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में शून्य पर आउट होने के बाद वह पेट के संक्रमण के कारण नामीबिया के खिलाफ दूसरे मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में वापसी की लेकिन खाता खोलने में नाकाम रहे। लेकिन दूसरे छोर पर ईशान किशन की शानदार फॉर्म के कारण अभिषेक के बल्ले से रनों की कमी का टीम की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा है। अभिषेक जोखिम लेने से नहीं कतराते हैं और उनकी इस तरह की बेखौफ बल्लेबाजी से भारत को कई मैच में जीत भी मिली है। लेकिन इस 25 वर्षीय बल्लेबाज का पिछली छह पारियों में चार बार शून्य पर आउट होना यह संकेत देता है कि उन्हें पावरप्ले में अपनी रणनीति की समीक्षा करने की जरूरत है।

अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाज की छवि को देखते हुए यह स्पष्ट है कि विरोधी टीमों ने भारत के इस सलामी बल्लेबाज का सामना करने के लिए अतिरिक्त तैयारी की है। अभिषेक के स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि उनके पास टीम के अन्य बल्लेबाजों की तरह शॉट की व्यापक रेंज नहीं है और वह क्रीज का उपयोग करने और अपने बल्ले की स्विंग पर भरोसा करते हैं ताकि विपक्षी टीम में खौफ पैदा कर सकें। उन्हें पावरप्ले में डीप कवर बाउंड्री पर शॉट मारना पसंद है और विरोधी टीमों ने उनके लिए उस क्षेत्र में एक फील्डर तैनात करके समझदारी दिखाई है।

सुनील गावस्कर की अभिषेक शर्मा को सीधी सलाह, पहले सेट हो फिर आक्रमकता दिखाओ

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में युवा ओपनर अभिषेक शर्मा की शुरुआत उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही है। लगातार दो बार शून्य पर आउट होने के बाद उनके खेल और अप्रोच पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने उन्हें बेहद सरल लेकिन अहम सलाह दी है। गावस्कर का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में दबाव से निपटने के लिए बुनियादी बातोंह्यह्य पर लौटना जरूरी है। उनका संदेश साफ है कि पहले खुद को सेट करो, फिर अपना स्वाभाविक आक्रामक खेल दिखाओ। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज गावस्कर ने एक इंटरव्यू में अभिषेक को सलाह दी कि पारी की शुरुआत में जल्दबाज़ी से बचें। उन्होंने कहा कि आक्रामक शॉट खेलने से पहले सिर्फ एक तेज़ सिंगल लें, ताकि शरीर और दिमाग दोनों मैच की लय में आ सकें। गावस्कर के मुताबिक, पहले एक सिंगल लो, फिर खुलकर खेलो। जब तक आप रन बोर्ड पर नहीं लगाते, आत्मविश्वास पूरी तरह नहीं आता। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अच्छे फॉर्म को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि कई बल्लेबाज़ शानदार फॉर्म के बाद जरूरत से ज्यादा आक्रामक होने की कोशिश में गलती कर बैठते हैं।

तारिक रहमान ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही, नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस नीत अंतरिम सरकार का 18 महीने से जारी शासन समाप्त हो गया, जिस दौरान बांग्लादेश में राजनीतिक अनिश्चितता और अराजकता की स्थिति रही थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बांग्लादेश के शीर्ष राजनीतिक एवं सैन्य नेतृत्व की उपस्थिति में जातीय संसद के साउथ प्लाजा के खुले परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी थे। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने रहमान (60) को परंपरा से हटते हुए, बंगभवन के बजाय जातीय संसद के साउथ प्लाजा में पद की शपथ दिलाई।

आम चुनावों में अपनी पार्टी को शानदार जीत दिलाने वाले रहमान ने कहा, मैं प्रधानमंत्री के तौर पर कानून के अनुसार कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करूंगा। शपथ ग्रहण के बाद, रहमान ने पद और गोपनीयता की शपथ वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री के पद पर उनका कार्यकाल पांच वर्षों का होगा। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत जियाउर रहमान के पुत्र तारिक रहमान 17 वर्षों तक स्वनिर्वासन में लंदन में रहने के बाद दो महीने पहले स्वदेश लौटे थे। खालिदा जिया का पिछले साल 30 दिसंबर को निधन हो गया था। तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस की जगह ली, जिनके शासनकाल के दौरान ढाका के नई दिल्ली के साथ संबंधों में काफी गिरावट आई थी। शेख हसीना नीत अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद यूनुस ने अंतरिम सरकार की बागडोर संभाली थी। दिन में, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सांसदों ने रहमान को संसदीय दल का नेता चुना। राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने समारोह में, 25 मंत्रियों और 24 राज्य मंत्रियों को भी शपथ दिलाई। कार्यक्रम में भारत और पाकिस्तान सहित पड़ोसी देशों के कई नेता उपस्थित थे। नई मंत्रिपरिषद में अल्पसंख्यक समुदाय के दो सदस्य, बीएनपी उपाध्यक्ष एवं हिंदू समुदाय से आने वाले निताई रॉय चौधरी तथा बौद्ध धर्मावलंबी दीपेन दीवान शामिल किए गए हैं। एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में, नई मंत्रिपरिषद ने निवर्तमान अंतरिम शासन के सुरक्षा सलाहकार, खलीलुर रहमान को एक मंत्री के रूप में शामिल किया, जबकि कई वरिष्ठ बीएनपी नेताओं को बाहर रखा गया। मंत्रिमंडल विभाग के अधिकारियों ने कहा कि कैबिनेट मंत्रियों और राज्य मंत्रियों के विभागों की घोषणा बाद में की जाएगी, हालांकि कई मुख्यधारा के मीडिया संस्थान ने अपुष्ट सूत्रों का हवाला देते हुए उनमें से कई के विभागों के नाम बताए। बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनावों में बीएनपी ने 297 में से 209 सीटें जीतीं, जबकि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें हासिल कीं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। चुनाव परिणाम बीएनपी के लिए संजीवनी साबित हुआ। पार्टी अवामी लीग के 15 वर्षों के शासनकाल में निशाने पर रही थी। अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के कारण अवामी लीग सरकार सत्ता से बेदखल हुई थी। इससे पहले 13वीं जातीय संसद (जेएस) के नवनिर्वाचित सांसदों ने संसद सदस्य के रूप में शपथ ली। चुनाव के बाद एक प्रेस वार्ता में रहमान ने राष्ट्रीय हित में राष्ट्रीय एकता और शांति की अपील की तथा आगाह किया कि विभाजनकारी नीतियां लोकतंत्र को कमजोर करेंगी। उन्होंने कहा था कि देश एक नाजुक अर्थव्यवस्था, कमजोर संस्थाओं और बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति का सामना कर रहा है।

बांग्लादेश में जनमत-संग्रह को लेकर शपथ ग्रहण पर बीएनपी और जमात में गतिरोध

ढाका, भाषा। बांग्लादेश के चुनाव में विजई हुई बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार करने के बाद दक्षिणपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी के नव निर्वाचित संसद सदस्यों ने मंगलवार को शपथ लेने से मना कर दिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन ने संसद भवन (जातीय संसद भवन) में बीएनपी सांसदों को पद की शपथ दिलाई। इसके बाद जमात के सांसदों को शपथ लेनी थी। जब बीएनपी ने जनमत-संग्रह का समर्थन करने के लिए संविधान सुधार परिषद के सदस्यों के रूप में दूसरी शपथ लेने से इनकार कर दिया तो स्थिति जटिल हो गई। जमात के उपाध्यक्ष अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने कहा, जब तक बीएनपी के सांसद नियमित संसद सदस्यों के साथ ही संविधान सुधार परिषद के सदस्यों के रूप में शपथ नहीं लेते, हम संसद सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का मानना है कि संवैधानिक सुधारों के बिना संसद बेकार है। संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में दूसरी शपथ तथाकथित जुलाई चार्टर को लागू करने की प्रतिबद्धता से जुड़ी है, जिसमें संविधान में व्यापक संशोधन का प्रस्ताव रखा गया है।

जनमत-संग्रह में 60 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने हां में मतदान किया

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के सांसदों ने तारिक रहमान को संसदीय दल का नेता चुना

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान को उनकी पार्टी के सांसदों ने संसदीय दल का नेता चुन लिया है और वह देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। उधर, सभी दलों के समस्त नव निर्वाचित सांसदों ने पद की शपथ ले ली है जिसके बाद संविधान सुधार परिषद को लेकर गतिरोध समाप्त हो गया है। बांग्लादेश के चुनाव में विजई हुई बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सांसदों द्वारा संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार करने के बाद दक्षिणपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी के नव निर्वाचित संसद सदस्यों ने शुरू में शपथ लेने से मना कर दिया था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन ने संसद भवन (जातीय संसद भवन) में सबसे पहले बीएनपी सांसदों को पद की शपथ दिलाई।

इसके बाद जमात के सांसदों ने शपथ ली। जब बीएनपी ने जनमत-संग्रह का समर्थन करने के लिए संविधान सुधार परिषद के सदस्यों के रूप में दूसरी शपथ लेने से इनकार कर दिया तो स्थिति जटिल हो गई थी। जमात के उपाध्यक्ष अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने कहा था, जब तक बीएनपी के सांसद नियमित संसद सदस्यों के साथ ही संविधान सुधार परिषद के सदस्यों के रूप में शपथ नहीं लेते, हम संसद सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का मानना है कि संवैधानिक सुधारों के बिना संसद बेकार है। संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में दूसरी शपथ तथाकथित जुलाई चार्टर को लागू करने की प्रतिबद्धता से जुड़ी है, जिसमें संविधान में व्यापक संशोधन का प्रस्ताव रखा गया है। जनमत-संग्रह में 84 सूत्री जटिल प्रस्ताव रखा गया था लेकिन एक घंटे के बाद एक नाटकीय घटनाक्रम में जमात और नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के सदस्यों ने सांसदों और संविधान सुधार परिषद के सदस्यों, दोनों के रूप में शपथ ली। निर्वाचन आयोग के अनुसार, जनमत-संग्रह में 60 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने हां में मतदान किया। बीएनपी की नीति-निर्धारण स्थाई समिति के सदस्य और नवनिर्वाचित सांसद सलाहुद्दीन अहमद ने शपथ ग्रहण से पहले पार्टी सांसदों से कहा कि उन्हें संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में निर्वाचित नहीं किया गया है और अभी तक परिषद से संबंधित कोई प्रावधान संविधान में शामिल नहीं किया गया है। पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान की मौजूदगी में उन्होंने कहा, हममें से कोई भी दूसरी शपथ नहीं लेगा। अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव लड़ने से वंचित किए जाने के बाद हुए 13वें संसदीय चुनाव में बीएनपी ने 297 में से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें जीतीं।

पाकिस्तानः आत्मघाती हमले में ग्यारह सुरक्षाकर्मियों और एक बच्चे की मौत

पेशावर, भाषा। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों द्वारा एक जांच चौकी पर विस्फोटक से भरी गाड़ी से किए गए आत्मघाती हमले में 11 सुरक्षाकर्मियों और एक बच्चे की मौत हो गई। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर जिले में एफसी जांच चौकी पर हुए इस घातक आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी टीटीपी ने ली है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, 16 फरवरी को बाजौर जिले में फितना अल ख्वारिज से जुड़े ख्वारिजों ने सुरक्षा बलों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों की संयुक्त जांच चौकी पर एक कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का प्रयास किया। सरकार फितना-अल-ख्वारिज शब्द का इस्तेमाल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के लिए करती है। एक बयान के मुताबिक, सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में 12 आतंकवादियों को मार गिराया गया। बयान में बताया गया, हताशा में आकर हमलावरों ने विस्फोटक से भरी गाड़ी को सुरक्षा घेरा की दीवार से टकरा दिया। धमाके के प्रभाव से इमारत ढह गई और 11 लोगों की मौत हो गई। एजेंसी ने बताया कि धमाके से इलाके की रिहायशी इमारतें भी प्रभावित हुई, जिसके कारण एक मासूम बच्ची की मौत हो गई। एजेंसी ने बताया कि महिलाओं और बच्चों समेत सात अन्य लोग घायल हुए हैं। बयान के मुताबिक, क्षेत्र में मौजूद अन्य आतंकियों के खात्मे के लिए तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे आतंकवाद विरोधी अभियान के तहत विदेश प्रायोजित और समर्थित आतंकवाद के खतरे को देश से पूरी तरह से खत्म करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। बयान में बताया गया, हमारे बहादुर सैनिकों और निर्दोष नागरिकों के बलिदान से राष्ट्र की रक्षा के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता और भी मजबूत होती है।

स्वनिर्वासन में 17 साल रहने से लेकर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद तक, रहमान ने तय किया लंबा सफर

ढाका, भाषा। स्वनिर्वासन में 17 वर्ष तक लंदन में रहे तारिक रहमान ने बांग्लादेश के राजनीतिक फलक पर शानदार वापसी की और अपने पिता द्वारा गठित बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को 20 साल के अंतराल के बाद फिर से सत्ता में ला दिया। बीएनपी अध्यक्ष रहमान (60) ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। वह पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। बीएनपी की स्थापना तारिक रहमान के पिता जियाउर रहमान ने की थी, जो एक सैन्य शासक से राजनीतिज्ञ बने थे। तत्कालीन राष्ट्रपति जियाउर रहमान की 1981 में हत्या के बाद लगभग चार दशक तक पार्टी का नेतृत्व तारिक की मां खालिदा जिया ने किया। पिछले साल दिसंबर में बांग्लादेश लौटने पर उनका जोरदार स्वागत हुआ था, लेकिन उसके पांच दिन बाद ही रहमान को व्यक्तिगत त्रासदी का सामना करना पड़ा जब उनकी मां खालिदा जिया का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। देश में 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनावों में बीएनपी ने 297 में से 209 सीटें जीतीं, जबकि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें हासिल कीं। आम चुनावों से पहले, जब बीएनपी राजनीतिक रूप से हाशिए पर थी, तारिक रहमान ने बीएनपी के अध्यक्ष का पदभार संभाला। बदलते हालात ने उन्हें व्यक्तिगत क्षति के बीच कुछ निजी समय बिताने का अवसर नहीं दिया। रहमान को भी वंशवादी राजनीति की उपज के रूप में देखा जाता है, लेकिन उनके परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि ने उन्हें एक प्रकार की दूरदर्शिता प्रदान की है। दिसंबर में बांग्लादेश लौटने के कुछ घंटों बाद रहमान ने कहा था, मेरे पास अपने देश के लोगों और अपने देश के लिए एक योजना है। मृदुभाषी रहमान ने चुनाव प्रचार में अपनी पार्टी का नेतृत्व करते हुए अपार जनसमूह को आकर्षित किया। उन्होंने भड़काऊ बयानबाजी से परहेज करने और संयम एवं सुलह के आह्वान का रूख अपनाया। रहमान का जन्म 20 नवंबर 1965 को ढाका में हुआ था। बचपन में उन्होंने 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम को देखा। उन्हें अपनी मां और भाई के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन 16 दिसंबर 1971 को उन्हें रिहा कर दिया गया, जब बांग्लादेश को पाकिस्तान से स्वतंत्रता मिली।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी सैनिक नाइजीरियाई सैनिकों को प्रशिक्षण में सहायता देने के लिए पहुंचे : नाइजीरिया

» अबुजा (नाइजीरिया), भाषा।

नाइजीरिया में इस्लामी आतंकवादियों और अन्य सशस्त्र समूहों के खिलाफ लड़ रहे देश के सैनिकों को प्रशिक्षण देने के लिए लगभग 100 अमेरिकी सैनिक साजो-सामान के साथ यहां पहुंच गए हैं। नाइजीरियाई सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी। सेना ने एक बयान में बताया कि दरअसल नाइजीरिया सरकार ने अमेरिका सरकार से अनुरोध किया था कि वह प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और खुफिया जानकारी साझा करने में मदद करे जिसके बाद अमेरिकी सैनिकों का दल यहां पहुंचा है। यह तैनाती अमेरिका और नाइजीरिया के बीच तनाव कम होने के बाद हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व में कहा था कि नाइजीरिया कथित जनसंहार से ईसाइयों की रक्षा नहीं कर रहा, वहीं नाइजीरिया सरकार ने ट्रंप ने इन आरोपों को खारिज किया था जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया था।

नाइजीरिया के रक्षा मुख्यालय के प्रवक्ता मेजर जनरल समाइला उबा ने पहले कहा था कि अमेरिकी सैनिक लड़ाई में शामिल नहीं होंगे या उनकी कोई प्रत्यक्ष अभियानगत भूमिका नहीं होगी बल्कि कमान का पूरा अधिकार नाइजीरियाई बलों के पास होगा। अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में इस्लामिक स्टेट समूह के आतंकवादियों पर दिसंबर में हवाई हमले किए थे। पिछले महीने, अबुजा में नाइजीरियाई अधिकारियों के साथ हुई चर्चा के बाद अमेरिकी अफ्रीका कमान के प्रमुख ने पुष्टि की थी कि अमेरिकी सैन्य अधिकारियों की एक छोटी टीम खुफिया सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से नाइजीरिया में मौजूद है। नाइजीरिया में स्थानीय सशस्त्र समूहों का आतंक जारी है जिनमें आतंकवादी संगठन बोको हराम और उससे अलग हुए गुट इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस जैसे कई समूह शामिल हैं। इसके अलावा, आईएस से जुड़ा लकुरावा और अन्य समूह भी मौजूद हैं जो फिरौती के लिए अपहरण और अवैध खनन करते हैं।

चंद्र नववर्ष की प्रार्थनाओं और उत्सवों के साथ अश्ववर्ष का आगमन

» बीजिंग, भाषा।

चीन में लोग मंगलवार को प्रार्थनाओं, आतिशबाजी और जश्न के साथ चंद्र नववर्ष मना रहे हैं। इन गतिविधियों के साथ अश्ववर्ष का आगमन हुआ, जो चीनी राशि चक्र के 12 जानवरों में से एक है और यह सर्पवर्ष के बाद आता है। चंद्र नववर्ष चीन और कुछ अन्य पूर्वी एशियाई देशों में सबसे महत्वपूर्ण वार्षिकोत्सव है तथा इसे इस क्षेत्र के बाहर भी मनाया जाता है। इस नववर्ष के उपलक्ष्य में हांगकांग में आधी रात के समय मंदिरों में भीड़ उमड़ पड़ी। हांगकांग के एक मंदिर में अगरबत्ती का धुआं वातावरण को सुगंधित कर रहा था, जहां लोग हर साल आधी रात को नए साल की कामना करने के लिए कतार में खड़े होते हैं।

दक्षिण-पूर्व एशियाई देश वियतनाम में इस त्योहार को टेट कहा जाता है। वहां कई शहरों में आतिशबाजी के साथ ही कलाकारों के गीतों की प्रस्तुति भी देखने को मिली। आतिशबाजी शुरू होते ही पुल और गगनचुंबी इमारतें रोशनी से जगमगा उठीं और लोग पॉप संगीत की धुन पर थिरकने लगे। सोमवार को, रूस की राजधानी में विभिन्न स्थानों पर दो सप्ताह के कार्यक्रमों की शुरुआत हुई, जिसमें लोगों ने दुकानों से चीनी व्यंजनों का स्वाद लिया और लालटेन तथा ड्रैगन से सजी बर्फीली सड़कों पर सैर की। वहीं, ताइवाने के ताइपे में मंगलवार की सुबह बाओआन मंदिर में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और वहां लगी घंटी की ध्वनि 108 बार गूंजी, जो एक शुभ संख्या मानी जाती है।

अमेरिका से परमाणु वार्ता के बीच ईरान ने अभ्यास के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य अस्थाई रूप से बंद किया

» जिनेवा, भाषा।

अमेरिका और ईरान मंगलवार को जिनेवा में ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर दूसरे दौर की वार्ता कर रहे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है और ईरान बड़े पैमाने पर समुद्री अभ्यास कर रहा है। इस बीच, ईरान ने कहा कि वह अपने सैन्य अभ्यास की वजह से कई घंटों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर रहा है। दोनों देशों के बीच परमाणु वार्ता की शुरुआत के साथ ही ईरानी मीडिया ने घोषणा की कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर मिसाइलें दागी हैं। इसने यह भी कहा कि ईरान सुरक्षा और समुद्री चिंताओं के कारण जलडमरूमध्य को कई घंटों के लिए बंद कर रहा है।

अमेरिका द्वारा ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकी दिए जाने के बाद से यह पहली बार है कि ईरान ने जलडमरूमध्य के हिस्सों को बंद किया है, जो एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। ईरान ने सोमवार को उन जलमार्गों में समुद्री सैन्य अभ्यास की घोषणा की जो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग हैं और जिनके माध्यम से दुनिया के 20 प्रतिशत तेल का परिवहन होता है। तेहरान ने पूर्व में होर्मुज जलडमरूमध्य में गोलीबारी का अभ्यास किया था,

लेकिन उसने इस महत्वपूर्ण मार्ग को बंद करने की घोषणा नहीं की थी। दोनों देशों के बीच परमाणु वार्ता में ओमानी मध्यस्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ईरान के सरकारी टीवी ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका के साथ बातचीत अप्रत्यक्ष होगी और इसमें केवल ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, न कि घरेलू नीतियों पर, जिसमें पिछले महीने प्रदर्शनकारियों पर की गई उसकी कठोर कार्रवाईभी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगाने के लिए मजबूर करने के वास्ते बार-बार बल प्रयोग करने की धमकी देते रहे हैं।

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में मिसाइलें दागीं

जिनेवा, भाषा। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर मिसाइलें दागने का अभ्यास शुरू कर दिया है। देश की कई अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसियों की खबर में यह जानकारी दी गई है। अर्धसैनिक बल रेवोल्यूशनरी गार्ड की करीबी मानी जाने वाली तसनीम अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी ने अपनी खबर में कहा कि ईरानी भूमि, तटों और द्वीपों से दागी गई मिसाइलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने लक्ष्यों को सटीक रूप से निशाना बनाया। ईरान सरकार ने घोषणा की कि रेवोल्यूशनरी गार्ड ने सोमवार तड़के होर्मुज जलडमरूमध्य, फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में अभ्यास शुरू किया, जो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग हैं, जिनके रास्ते दुनिया के 20 फीसदी तेल का परिवहन होता है। यह अभ्यास ऐसे समय में किया जा रहा है, जब ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर वाशिंगटन और तेहरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता शुरू होने वाली है।

अमेरिका के साथ ईरान की परमाणु वार्ता तीन घंटे तक हुई

जिनेवा, भाषा। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता का नवीनतम दौर लगभग तीन घंटे की बैठक के बाद समाप्त हो गया। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने यह जानकारी दी। जिनेवा में यह वार्ता ऐसे समय में हुई, जब ईरान ने सैन्य अभ्यास के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा की है। अमेरिका और ईरान ने मंगलवार को जिनेवा में, तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर दूसरे दौर की वार्ता की। ईरान ने कहा है कि वह सैन्य अभ्यास के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को कुछ घंटों के लिए बंद कर देगा, क्योंकि अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है।

ईरान ने जिनेवा में परमाणु वार्ता शुरू कीः ईरानी टेलीविजन

जिनेवा, भाषा। अमेरिका और ईरान मंगलवार को जिनेवा में ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर दूसरे दौर की वार्ता कर रहे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है और ईरान बड़े पैमाने पर समुद्री अभ्यास कर रहा है। संबंधित वार्ता में ओमानी मध्यस्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ईरान के सरकारी टीवी ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका के साथ बातचीत अप्रत्यक्ष होगी और इसमें केवल ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, न कि घरेलू नीतियों पर, जिसमें पिछले महीने प्रदर्शनकारियों पर की गई उसकी कठोर कार्रवाईभी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगाने के लिए मजबूर करने के वास्ते बार-बार बल प्रयोग करने की धमकी देते रहे हैं। वहीं, ईरान ने कहा है कि ऐसा होने पर वह जवाबी हमला करेगा। ट्रंप ने हाल में हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर ईरान की घातक कार्रवाई को लेकर भी उसे धमकी दी है। अरब प्रायद्वीप के पूर्वी छोर पर स्थित ओमान सल्तनत में छह फरवरी को वार्ता का पहला दौर अप्रत्यक्ष रूप से हुआ था। ईरानी अधिकारियों के चले जाने के बाद ही अमेरिकी झंडा लगी एसयूवी गाड़ियों ने महल के प्रवेश द्वार में प्रवेश किया। मंगलवार को हो रही वार्ता के लिए व्यवस्थाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है। हंगरी की यात्रा कर रहे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि मुश्किलों के बावजूद ईरान के साथ समझौता हो जाएगा।

स्पेन में एक इमारत में आग लगने से पांच लोगों की मौत

मैड्रिड, भाषा। उत्तर-पूर्व स्पेन की एक रिहायशी इमारत में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य मामूली रूप से झुलस गए। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं ने सोमवार देर रात यह जानकारी दी। अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि बार्सिलोना के उत्तर में स्थित मैनलेउ में पांच मंजिला इमारत के भंडारण कक्ष में आग लगी थी। अधिकारियों के अनुसार, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पीड़ित इमारत से बाहर क्यों नहीं निकल पाए। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारण का भी अभी पता नहीं चला है। पुलिस ने बताया कि पांचों मृतक युवा थे और वे उस इमारत में नही रहते थे। क्षेत्रीय नेता साल्वाडोर इला ने एक्स पर मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वह पांच लोगों की मौत से बेहद दुखी हैं। आपातकालीन सेवाओं ने मंगलवार को बताया कि घायलों में से चार को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जबकि एक अन्य को भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। पुलिस ने आग लगने के कारण की जांच शुरू कर दी है।

आईएस से संबद्ध 34 महिलाओं-बच्चों को वापस नहीं लाएगा ऑस्ट्रेलिया : अल्बनीज़

मेलबर्न, भाषा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार इस्लामिक स्टेट (आईएस) से कथित रूप से संबद्ध 34 महिलाओं और बच्चों को सीरिया से स्वदेश वापस नहीं लाएगी। कुल 11 परिवारों की इन महिलाओं और बच्चों को सीरिया से ऑस्ट्रेलिया लाया जाना था, लेकिन अधिकारियों के अनुसार प्रक्रियागत समस्याओं के कारण सोमवार को सीरियाई प्राधिकारियों ने उन्हें रोज़ निरूद्ध केंद्र (रोज़ डिटेंशन कैंप) से लौटा दिया। आईएस के 2019 में पतन के बाद से सीरियाई शिविरों से सरकारी मदद से केवल दो समूहों को ही ऑस्ट्रेलिया वापस लाया गया है। कुछ अन्य ऑस्ट्रेलियाई नागरिक बिना सरकारी सहायता के भी लौटे हैं। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में आई रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार किया कि क्या संबंधित महिलाओं और बच्चों के पास ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट हैं। अल्बनीज़ ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन से कहा, हम कोई सहायता नहीं दे रहे हैं और हम किसी को स्वदेश नहीं ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन लोगों के प्रति सरकार की कोई सहानुभूति नहीं है, जो विदेश जाकर तथाकथित खिलाफत स्थापित करने के प्रयास में शामिल हुए, जिसका उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया की जीवनशैली को कमजोर करना था। आईएस ने एक दशक पहले सीरिया और इराक के बड़े हिस्सों पर कब्जा कर तथाकथित खिलाफत की घोषणा की थी और रक्क़ा को अपनी राजधानी घोषित किया था।

जिनेवा में तीनों देशों के सैन्य नेता इस बात पर चर्चा करेंगे कि युद्धविराम की निगरानी कैसे की जाएगी

अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता के लिए जिनेवा पहुंचे रूस और यूक्रेन के अधिकारी

» जिनेवा, भाषा।

रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका की मध्यस्थता में एक और दौर की शांति वार्ता को लेकर मंगलवार को मॉस्को और कीव के प्रतिनिधिमंडल जिनेवा में हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले के चार साल पूरे होने से एक सप्ताह पहले यह वार्ता हो रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सरकार का प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड में है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार रूसी प्रतिनिधिमंडल भी वहां पहुंच गया है। दो दिन की वार्ता आज शुरू होने की संभावना है।

अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर के प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक के दौरान रूसी कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्र के भविष्य के बारे में चर्चा होने की उम्मीद है। रूसी अधिकारी अब भी यूक्रेन से अपने पूर्वी डोनबास क्षेत्र का नियंत्रण हासिल करने पर जोर दे रहे हैं। जिनेवा में तीनों देशों के सैन्य नेता इस बात पर चर्चा करेंगे कि युद्धविराम की निगरानी कैसे की जाएगी और इसे लागू करने के लिए क्या आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अबू धाबी में हुई पिछली वार्ता के दौरान, सैन्य नेताओं ने इस बात पर विचार किया कि एक विसैन्ईकृत क्षेत्र की व्यवस्था कैसे की जा सकती है और तीनों देशों की सेनाएं आपस में कैसे संवाद कर सकती हैं। हालांकि, नई वार्ता में किसी भी तरह की सफलता की उम्मीदें कम हैं, क्योंकि अमेरिका द्वारा समझौते के लिए जून की समय सीमा निर्धारित करने के बावजूद, दोनों पक्ष प्रमुख क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने रुख से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे हैं। यूरोप में अमेरिकी सेना और नाटो बलों के कमांडर जनरल एलेक्सस ग्रिनकेविच और अमेरिकी सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल, अमेरिकी सेना की ओर से जिनेवा में होने वाली बैठक में भाग लेंगे और अपने रूसी और यूक्रेनी समकक्षों से मुलाकात करेंगे। अमेरिकी कमांडर के प्रवक्ता कर्नल मार्टिन ओ डोनेल ने यह जानकारी दी। इस बीच, जेलेंस्की के अनुसार, रूस ने रात भर में लंबी दूरी के लगभग 400 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 29 मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए यूक्रेन के 12 क्षेत्रों पर हमला किया, जिसमें बच्चों सहित नौ लोग घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि लगातार हो रहे हमलों के लिए मॉस्को को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि ये हमले शांति के लिए अमेरिकी प्रयासों को कमजोर करते हैं।

भारतीय राजदूत ने रूस के उप विदेश मंत्री से मुलाकात की

मॉस्को, भाषा। भारतीय राजदूत विनय कुमार ने मंगलवार को रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रेई रुडेन्को से मुलाकात की और एशिया-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति सहित महत्वपूर्ण द्विपक्षीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका ने दावा किया है कि नई दिल्ली ने रूसी कच्चे तेल के आयात को रोकने पर सहमति जताई है। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों पक्षों ने आगामी राजनीतिक संपर्कों के कार्यक्रम, महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें एशिया-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति भी शामिल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में फोन पर हुई बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की। इस कटौती में उस 25 प्रतिशत शुल्क को हटाना भी शामिल था, जो ट्रंप ने पिछले वर्ष अगस्त में भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने के कारण लगाया था।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com